



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 21, 1981 (कार्तिक 30, 1903)

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 21, 1981 (KARTIKA 30, 1903)

इस भाग में निम्न एक संख्या दी जाती है जिससे कि वह असल संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 अक्टूबर, 1981

सं० ए० 32013/1/81-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अवधि
	सर्वश्री	
1.	य० रा० गांधी	26-5-81 से 25-8-81 तक
2.	वेद प्रकाश	26-5-81 से 31-7-81 तक
3.	वी० के० भट्टाचार्य	16-6-81 से 15-9-81 तक
4.	एस० के० मिश्र	29-6-81 से 28-9-81 तक

एच० सी० जाटव,
संयुक्त सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक संधार विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1981

शुद्धि-पत्र

संख्या ए-35018/1579-प्रशासन-1---दिनांक 18-7-81 की समसंस्कृत अधिसूचना की छठी लाइन में "पूर्वाह्न" के स्थान पर "अपराह्न" पढ़ा जाए।

दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं० ए-19021/8/81-प्रशासन-5---राष्ट्रपति अपने प्रसाव में श्रीमती कचन सी भट्टाचार्या, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश-1973) को दिनांक 12-10-81 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्त पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

का. ली. प्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

स एफ-2/6/81-स्थापना-के रि. ए. बल—राष्ट्रपति जी समूह केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, गांधी नगर को कमान्डेंट श्री पी वी सुब्बाराव को दिनांक 1-10-80 से 31-1-81 और 1-3-81 से 22-3-81 तक 68वीं बहिनी के रि. ए. बल का कमान्डेंट अपने कार्यभार के अतिरिक्त नियुक्त करते हैं।

सं. एफ. 2/6/81-स्थापना-के. रि. पु. बल—राष्ट्रपति जी समूह केन्द्र, के. रि. पु. बल, नीमच के कमान्डेंट श्री सी. पी. सिंह को दिनांक 1-10-80 से 20-3-81 तक 65वीं बाहिनी, के. रि. पु. बल का कमान्डेंट अपने कार्यभार के अतिरिक्त नियुक्त करते हैं।

सं. ओ. दो. 1578/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. सुरेन्द्र सिंह को 1-9-1981 के अपराहन से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 29 अक्टूबर 1981

सं० पी-7-5/81-स्थापना:—राष्ट्रपति निम्नलिखित जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप उनके सामने दर्शाई गई तिथियों से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-I (सहायक कमान्डेंट) के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पद तथा पूर्व यूनिट जहां चार्ज दिया	चार्ज देने की तारीख	पद तथा नई यूनिट जहां चार्ज लिया	चार्ज लेने की तारीख
1.	डा० के० डी० सारंगी	जी० डी० ओ० ग्रेड-II वे० हा० हैदराबाद	22-8-81 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I वे० हा० हैदराबाद	22-8-81 अपराह्न
2.	डा० एस० एन० दास	जी० डी० ओ० ग्रेड-II 9-बटालियन	12-9-81 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I जी० सी० गोहाटी	17-9-81 पूर्वाह्न
3.	डा० पी० सी० साहू	जी० डी० ओ० ग्रेड-II 62-बटालियन	28-8-81 पूर्वाह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I जी० सी० दुर्गापुर	29-8-81 अपराह्न
4.	डा० एस० आर० दास	जी० डी० ओ० ग्रेड-II वे० हा० नई दिल्ली	3-9-81 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I जी० सी० वन्तालाब	7-9-81 पूर्वाह्न
5.	डा० पी० सी० धीर सामन्ता	जी० डी० ओ० ग्रेड-II 22-बटालियन	7-9-81 पूर्वाह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I जी० सी० पल्लीपुरम	22-9-81 पूर्वाह्न
6.	डा० के० सी० परीदा	जी० डी० ओ० ग्रेड-II जी० सी० नीमच	24-8-81 पूर्वाह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I जी० सी० नीमच	24-8-81 पूर्वाह्न

डा० पी० सी० धीर सामन्ता तथा के० सी० परीदा की पदोन्नति अस्थायी रूप से अवकाश रिक्तियों के विरुद्ध की गई है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ओ. दो.-1605/81-स्थापना—राष्ट्रपति डा. विनाद कुमार गोगयी को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 1 अक्टूबर 1981 के पूर्वानुमान से डाक्टरों परिक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए. के. सूरि, सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. 10/20/79-प्रशा.-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा विभाग) में वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भाषा) के पद पर कार्यरत डा. एस. बृपाथी को उसी कार्यालय में तारीख 26 सितंबर, 1981 के अपराहन से अगले आदेशों तक अस्थायी

रूप से नियमित आधार पर भाषाविद् के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा. बृपाथी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं. 11/75/79-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 26-11-1980 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड-II के अधिकारी श्री एस. के. गांधे को संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमन और दीव तथा दादरा और नागर हवेली में पुनः तारीख 28 फरवरी, 1982 तक की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक जो भी अवधि पहले हो, तदर्थ आधार पर निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गांधे का मुख्यालय पणजी में होगा।

सं. 11/2/80-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के अधिकारी श्री पी. के. सिन्हा को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 9 सितंबर 1981 के पूर्वानुमान से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर

भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ आधार पर उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सिन्हा का मुख्यालय भागलपुर में होगा।

सं. 11/32/81-प्रसा.-1—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री आर. एस. पाण्डे को उसी कार्यालय में तारीख 7 सितंबर, 1981 के पूर्वाह्न से 1 वर्ष से अधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पदोन्नति द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति संबंधित अधिकारी को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति

प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

3. श्री पाण्डे का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

पी. पद्मनाभ, भारत के महापञ्जीकार

सरदार वल्लभभाई पटेल

राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 12 अक्टूबर 1981

सं. 15011/13/79-स्थापना—मध्य लोक सेवा आयोग की सिफारिश के आधार पर श्री अनील कुमार सक्सेना की स. व. प. राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में प्रशिक्षण प्रविधि में रीडर (वर्ग ख-राजपत्रित) के पद पर 840 रुपये -40-1000-दरों -20-1200 रुपये के वेतनमान में तथा केंद्रीय सरकार के नियमाधीन प्राप्य अन्य भत्तों के साथ 11 सितंबर, 81 पूर्वाह्न से तथा अगले आदेशों के जारी होने तक की जाती है।

बी. के. राय
निदेशक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002 दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं. 46-वा० ले० प०-1/196-81.—अपर उप नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (वा०) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिये जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

क्र० सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	कार्यालय जहां पदोन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहां पदोन्नति के बाद लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनात किए गए	लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	राजेन्द्र कुमार	भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, देहरादून	29-7-81
2.	गौरंगलाल मुखर्जी	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० (कोयला) कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० (कोयला) कलकत्ता	8-7-81
3.	निरंजन चक्रवर्ती	—वही—	महालेखाकार-II पश्चिम बंगाल कलकत्ता	9-7-81
4.	सूर्य कान्त सदाशर्मा	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० देहरादून	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प० रांची	29-7-81
5.	टी० के० चेल्लप्पा	महालेखाकार, (वाणिज्यिक) तमिलनाडु मद्रास	महालेखाकार, कर्नाटक बगलूर	23-7-81
6.	जगदीश प्रसाद गुप्ता	महालेखाकार, राजस्थान जयपुर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन नि० वा० ले० प०, बम्बई	24-8-81

1	2	3	4	5
7.	योगेश कुमार अग्रवाल	महालेखाकार-II मध्य प्रदेश खालियर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन नि० बा० ले० प० रांची	31-7-81
8.	कैलाश चन्द्र गुप्ता	महालेखाकार राजस्थान जयपुर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन नि० बा० ले० प० बम्बई	24-8-81

एम० ए० सीमेश्वराराव
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम मध्य प्रदेश

खालियर, दिनांक 22 अक्टूबर 1981

क्रमांक प्रशासन-एक/पी.एफ.पी.डी.आ./284—श्री पी. डी. आहुजा, (01/0139) कार्यालय महालेखाकार-प्रथम मध्य प्रदेश के स्थाई लेखा अधिकारी को, अधिवार्षिकी को आयु हो जाने पर दिनांक 31-10-81 को अपराहन से शासकीय सेवा में निवृत्त किया जाता है।

ध्रुवचरण साहू, वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एस. माधव राव को महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री वी. लक्ष्मीनारायण प्रभु को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 29-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम. गोपाल राजू को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे

वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री के. विठ्ठल को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर प्रोफार्मा प्रमोशन की तारीख अभी निश्चित नहीं हुई के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री सी. बालानंद राव को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 30-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री वी. रामस्वामी को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 12-10-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम. ए. जुबेरी को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बी.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं

है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री डी. प्रसाद राव को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बि.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 30-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री के. वीरभन्द्रया को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बि.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री आर. के. शर्मा को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बि.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 29-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम. श्रीराम शर्मा को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बि.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 30-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/313—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री डी. बी. रामकोटेश्वर राव को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बतनमान रु. 840-40-1000-इ. बि.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-9-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

शं. हरिहरन, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

दिनांक 26 सितंबर 1981

का. आ. प्रशासन-111/351 23(ए)(2) सूचनाएँ—निदेशक लेखापरीक्षा डाक-तार ने सहर्ष, डाक-तार शाखा लेखापरीक्षा कार्यालय हैदराबाद के अनुभाग अधिकारी श्री टी. एस. श्री निवासन की पदोन्नति कर उनको स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर दिनांक 12-8-81 पूर्वाह्न से नियुक्त किया है तथा उन्हें, अगले आदेशों तक उप निदेशक लेखा परीक्षा, डाक-तार लखनऊ के प्रशासनिक नियंत्रण में निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, महाप्रबंधक दूरभाष कानपुर-तैनात किया है।

पदोन्नति तदर्थ आधार पर है और संशोधनीय है।

केवल थापर, सहायक निदेशक लेखा परीक्षा (मुख्यालय)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा,

दक्षिण पूर्व रेलवे, गार्डनरीच,

कलकत्ता-700043, दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. प्रशा/33-2 ए/75/3133---निदेशक लेखा परीक्षा, दक्षिण पूर्व रेलवे, कलकत्ता के कार्यालय में अधीनस्थ रेल लेखा सेवा के अस्थायी सदस्य, श्री बानी कंठ मिस्त्री को दिनांक 3-10-81 के पूर्वाह्न से लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश तक पदोन्नति किया गया।

अ-ना-चक्कू, निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं० प्रशा०-II/2603/81-I:—रक्षा लेखा महानियंत्रक एतद् द्वारा निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई तारीख के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारियों के रूप में, स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	संगठन जहां सेवारत है	प्रभावी तारीख
1	2	3	4
सर्वे श्री			
1.	टी० के० महालिगम	रक्षा लेखा महानियंत्रक नयी दिल्ली-22	1-1-80
2.	ब्रिज राज सहगल	लेखा नियंत्रक (कैब्लीज), कलकत्ता	1-4-81
3.	शिवचरन सिंह	अन्य रैंक (उत्तर) मेरठ।	1-1-80
4.	मनोहर लाल ब्रर्मा	मध्य कमान, मेरठ।	1-4-81

1	2	3	4
	सर्व श्री		
5.	रामचन्द्र मलहोत्रा	अन्य रैंक (उत्तर), मेरठ।	1-4-81
6.	जे० पी० कौशिक	मध्य कमान, मेरठ।	"
7.	सुरेन्द्र नाथ शर्मा	उत्तर/कमान,	"
8.	बी० पी० भट्टाचार्य	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
9.	राजेन्द्र सिंह	पश्चिमी कमान, मेरठ	"
10.	ई० के० गोड बोले	अफसर पुणे।	"
11.	एन० नियाज अहमद	अन्य रैंक (दक्षिण) मद्रास।	"
12.	जी० कल्याण सुन्दरम	—तदैव—	"
13.	एल० बी० वर्गीज	वायु सेना, देहरादून।	"
14.	अमृत लाल मलहोत्रा	पश्चिमी कमान, मेरठ।	"
15.	ओम प्रकाश कपूर	उत्तर कमान, जम्मू।	"
16.	वी० रामचन्द्रन-III	अन्य रैंक (दक्षिण), मद्रास।	"
17.	पद्म सेन	वायु सेना, देहरादून।	"
18.	आनन्द वर्धन ओबराय	मध्य कमान, मेरठ।	"
19.	ए० एस० नागराजन	अन्य रैंक (दक्षिण), मद्रास।	"
20.	बी० के० चटर्जी	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
21.	कृष्ण लाल अडारी	मध्य कमान, मेरठ।	"
22.	टी० बी० राधा कृष्णन	अन्य रैंक (उत्तर), मेरठ।	"
23.	इकबाल राय जैदका	मध्य कमान, मेरठ।	"
24.	बी० एस० कुलकर्णी	दक्षिणी कमान, पूना।	"
25.	आर० के० तिवारी	पटना।	"
26.	टी० सुन्दरारामन	नौ सेना, लेखा, बम्बई।	"
27.	बाबू राम गुरवारा	पेंशन इलाहाबाद।	"
28.	एम० बीरा राधवाल	अन्य रैंक (उत्तर), मेरठ।	"
29.	श्याम लाल नारंग	फैक्ट्रीज कलकत्ता।	"
30.	राम प्रकाश	पेंशन, इलाहाबाद।	"
31.	ए० पी० हेमचन्द्रन	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"

1	2	3	4
	सर्व श्री		
32.	के० बी० माली	नौ सेना लेखा, बम्बई।	1-4-81
33.	मोहन चन्द्र भट्ट	पटना।	"
34.	योगराज ओबेराय	मध्य कमान, मेरठ।	"
35.	राजकुमार सूव	पश्चिमी कमान, मेरठ।	"
36.	आर० कृष्णन	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
37.	आर० बी० कुलकर्णी	अफसर, पूना।	"
38.	सूरज प्रकाश आनन्द	पश्चिमी कमान, मेरठ।	"
39.	यू० बी० खट्टर	अन्य रैंक (उत्तर) मेरठ।	"
40.	वी० एम० पाण्डेय	दक्षिणी कमान पूना।	"
41.	कुलबन्त सिंह बख्शी	वायु सेना देहरादून।	"
42.	एल० आर० राजामणि	—तदैव—	"
43.	नरेश प्रसाद जैन	निधि, मेरठ।	"
44.	पी० के० मोहनदास	नौ सेना लेखा, बम्बई।	"
45.	ए० नारायणाचार	दक्षिणी कमान, पूना	"
46.	टेक चन्द दावर	उत्तरी कमान, जम्मू	"
47.	एम० के० बोरवलू	अन्य रैंक (उत्तर), मेरठ।	"
48.	अनूप सिंह वर्मा	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
49.	वी० के० राम प्रियन	दक्षिणी कमान, पूना	"
50.	एम० एल० ढोंगरा	वायु सेना, देहरादून।	"
51.	वीलत राम सेठी	पश्चिमी कमान, मेरठ।	"
52.	वेव स्वरूप सेठी	नौ सेना लेखा, बम्बई।	"
53.	आर० एस० बोहरा	पश्चिमी कमान, मेरठ	"
54.	के० ए० कुमार स्वामी	दक्षिणी कमान, पूना	"
55.	ओम कुमार	अन्य रैंक (उत्तर)	"
56.	शिवनाथ राय शर्मा	तदैव	"
57.	राज कुमार शर्मा	तदैव	"
58.	आर० शंकर नारायणन	वायु से देहरा- दून।	"
59.	आर० श्रीनिवासन	दक्षिणी कमान, पूना	"
60.	विश्वनाथ	पेंशन, इलाहाबाद।	"

1	2	3	4
	सर्व श्री		
61.	रघुबीर सिंह .	पटना ।	1-4-81
62.	टी० ए० नारायणन .	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
63.	वी० एम० जयरामन	अफसर, पूना	"
64.	ए० के० दत्ता .	पेंशन इलाहाबाद	"
65.	गोवर्धन लाल बाली	पश्चिमी कमान, मेरठ ।	"
66.	के० शेषाद्री	अन्य रैंक (दक्षिण) मद्रास	"
67.	एन० आर० निमकर	अफसर, पूना	"
68.	सोहन लाल विज .	उत्तरी कमान, जम्मू	"
69.	नवल किशोर अग्रवाल	मध्य कमान, मेरठ ।	"
70.	विश्व नाथ बनर्जी	फैक्ट्रीज कलकत्ता	"
71.	आर० सन्याना कृष्णन	पटना	"
72.	टी० विठ्ठल राव .	अन्य रैंक (दक्षिण) मद्रास	"
73.	धर्मेन्द्र सिंह गर्ग .	अन्य रैंक (उत्तर), मेरठ	"
74.	सोहन लाल नन्दा .	पश्चिमी कमान, मेरठ	"
75.	एम० राम कृष्ण	अन्य रैंक (दक्षिण), मद्रास	"
76.	अविनाश चन्द्र खन्ना	उत्तरी कमान, जम्मू	"
77.	ए० श्रीनिवासन .	अफसर, पूना	"
78.	सुकुमार गांगुली .	अन्य रैंक (उत्तर) मेरठ	"
79.	टी० वैकटाचलपति .	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
80.	मोहन लाल अंगरा .	वायु सेना, देहरादून	"
81.	ए० गणदेसीकन .	दक्षिणी कमान, पूना	"
82.	के० वी० कृष्णामूर्ति	तदैव	"
83.	चमन लाल .	पश्चिमी कमान, मेरठ	"
84.	के० एल० भारद्वाज	अन्य रैंक (उत्तर) मेरठ	"
85.	जी० रामामूर्ति .	अफसर, पूना	"
86.	मनोहर सिंह .	अन्य रैंक (उत्तर) मेरठ	"
87.	डी० सी० मुखर्जी .	पटना	"
88.	एम० बैकटरामन	तदैव	"
89.	पी० एन० एस० राघवन	अन्य (दक्षिण), मद्रास	"

1	2	3	4
	सर्व श्री		
90.	सुखदयाल प्रोथर .	मध्य कमान, मेरठ	1-4-81
91.	हरदेव सिंह .	पेंशन इलाहाबाद	"
92.	मोहन लाल बहल .	पश्चिमी कमान, मेरठ	"
93.	अजित कुमार राय .	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
94.	एम० सी० सर्वेश .	तदैव	"
95.	के० डी० सहाय .	पटना	"
96.	शिवचरन सेगन .	वायु सेना, देहरादून	"
97.	पारस राम लाट्टा .	अन्य रैंक (उत्तर) मेरठ	"
98.	जी० ई० कृष्णामूर्ति	अन्य रैंक (दक्षिण) मद्रास	"
99.	कैलाश चन्द्र गुप्त .	पेंशन, इलाहाबाद	"
100.	श्रीराम कटियाल .	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
101.	एम० एस० प्रभु .	दक्षिणी कमान, पूना	"
102.	विद्या सागर .	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
103.	वंश राज जैन .	अन्य रैंक (उत्तर) मेरठ	"
104.	विष्णु कुमार श्रीवास्तव	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
105.	अजमतुल्लाह खान .	पटना	"
106.	एम० एन० बैकटेशन	नौ सेना लेखा, बम्बई	"
107.	ए० आर० लाजाराडू	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
108.	टी० के० राजाप्पन नायर	अफसर, पूना	"
109.	के० सारंग रत्नम .	अन्य रैंक (दक्षिण) मद्रास	"
110.	लक्ष्मी नारायण सिंह	अन्य रैंक (उत्तर) मेरठ	"
111.	सदा सुख वर्मा .	पेंशन इलाहाबाद	"
112.	एन० गोविन्द राव .	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
113.	टी० आर० सम्पत .	अफसर, पूना	"
114.	एम० एस० विश्वनाथन	अफसर, पूना	"
115.	सुशील कुमार .	पटना	"
116.	जसवन्त राय .	उत्तरी कमान, जम्मू	"
117.	एम० पी० गुप्त .	अन्य रैंक (उत्तर) मेरठ	"
118.	ए० के० चक्रवर्ती .	पटना	"
119.	जे० के० शर्मा .	वायु सेना, देहरादून	"
120.	शान्ति कुमार जैन .	अन्य रैंक (उत्तर) मेरठ	"
121.	गोलाभर्जुन .	नौसेना लेखा, बम्बई	"

1	2	3	4
122.	एच० के० प्रह्लाद राव	दक्षिणी कमान, पूना	1-4-81
123.	सोहन लाल कुमार	पटना	"
124.	सतपाल सेठी	पैशन, इलाहाबाद	"
125.	राम नाथ	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"
126.	श्री कृष्ण कुमार गोयल	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	"

ए० के० घोष,
रक्षा लेखा उप-महानियंत्रक (परियोजना)

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

हथकरवा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितंबर 1981

सं. ए.-32013/9/80-व्यवस्था-11 (ए)---राष्ट्रपति, स्थायी आर्ट डिजायनर, श्री प्रवीर दास गुप्त को 25 फरवरी, 1981 से आगामी आदेशों तक के लिए इस कार्यालय के अधीन बनकर सेवा केन्द्र में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (डिजाइन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 अक्टूबर 1981

सं. ए. 32013/8/80-व्यवस्था-11-(क)---राष्ट्रपति, तकनीकी अधीक्षक श्री एम. के. सरकार को 24 अगस्त 1981 से आगामी आदेशों तक के लिये बनकर सेवा केन्द्र, मंत्रालय में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी. शंकर, अतिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरवा)

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय

नई दिल्ली-19, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए-12011/5/78-स्था.---इस निदेशालय की 11 फरवरी, 1981 की इसी संख्या की अधिसूचना के क्रम में वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में स्थानापन्न रसायनज्ञ श्री ए. के. भारद्वाज को पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर 3 जुलाई, 1981 से 27 दिसंबर 1981 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, अहमदाबाद में 650-30-740-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रुपये के वेतनमान में निरीक्षक (वनस्पति) के पद पर जारी रहने दिया जाता है।

पी. एस. श्रीमा, मुख्य निदेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

सं. प्र.-1/(1182)/81---महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्री के. एम. राजन, कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी को दिनांक 19-10-81 के पूर्वाह्न में और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में

सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री के. एम. राजन की तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के पद पर उन्नति से उन्हें नियमित नियुक्ति का दावा करने का हक नहीं होगा और तदर्थ आधार पर की गई सेवा ग्रेड में बरीयता और पदोन्नति तथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।

दिनांक 29 अक्टूबर 1981

सं. प्र.-1/1(1180)/81---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री एम. एस. मूधी को दिनांक 5-9-1981 के अपराह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड 11) के रूप में स्थानीय तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री मूधी की सहायक निदेशक (ग्रेड 11) के पद पर तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हक नहीं मिलेगा तथा उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में बरीयता और पदोन्नति की पात्रता व स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।

एस. एल. कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)
कुले महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 सितंबर 1981

सं. 5506बी/ए-32013 (ए.ओ.)/78/19ए---भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री जमील एहमद को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्र, हैदराबाद के प्रशासनिक अधिकारी श्री के. रंगाचारी के अवकाश रिक्ति के स्थान पर 26-6-1981 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 24 अक्टूबर 1981

सं. 6952बी/ए-19012(2-एस एस वाई)/81-19बी.---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूभौतिक) को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 25-7-81 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है ---

1. श्री शिव शंकर यादव
2. श्री राजेश्वर नाथ कपूर
3. श्री शिव राम प्रसाद

वी. एस. कृष्णस्वामी, महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. ए.-19011(46)/70-स्था. ए.-अफगानिस्तान सर-कार के साथ खनिज प्रयोग सलाहकार के पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात् श्री टी. के. बसू, भारतीय खनिज विभाग से वापस आ गये हैं और दिनांक 17-12-80 के पूर्वाह्न से उप-खान नियंत्रक का पद-भार ग्रहण कर लिया है।

सं. ए.-19011(34)/स्थापना-ए./75-मंत्रालय के पत्र संख्या ए.-44018/138/80-एम.-6 दिनांक 15-9-81 द्वारा स्वीकृति प्रदान करने के कारण दिनांक 31-8-1981 (अपराह्न) को सेवानिवृत्ति होने पर श्री बी. जे. कोंडकर, खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी), भारतीय खान ब्यूरो तथा स्थायी ग्रेड-111 आई. एस. एस. अधिकारी का नाम खनिज अर्थ-शास्त्री (सांख्यिकी) के पद से दिनांक 31-8-1981 (अपराह्न) से इस विभाग की स्थापना से काट दिया है।

एस. बी. अली
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1981

सं. ए.-32013/1/80-एस-पांच-महानिदेशक, आकाश-वाणी, एतद्वारा श्री एस. पी. सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली को आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली में 29 सितम्बर, 1981 की पूर्वाह्न से तदर्थ रूप में स्थानापन्न क्षमता में लेखा निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 अक्टूबर 1981

सं. 2/5/68-एस. दो (भाग दो)-महानिदेशक, आकाश-वाणी, एतद्वारा श्री पी. डी. अचारी, लेखाकार, सी. एस. यू. आकाशवाणी, बम्बई 7-10-81 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, पानाजी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. 3/32/69-एस. दो-महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री आर. लोगानन्दन, प्रशासनिक अधिकारी एच. पी. टी. अक्षी-मन्नास 30-9-81 (पूर्वाह्न) से सीनियर प्रशासनिक अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र लखनऊ के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एच. एन. विश्वास
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

सं. ए.-12025/2/80-स्था.-विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री ए. मन्नास को सीनियर आर्टिस्ट के पद पर 2-336GI/81

अस्थायी रूप से 19 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

जनकराज निसी
उप निवेशक (प्रशासनिक)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

सं. ए. 12025/8/77(जे. आई. पी.)/प्रशासन-1-सेवा निवर्तन आय के हो जाने पर डा. आर. राजन ने 31 अगस्त, 1981 के अपराह्न से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी से जीवरसायन के सहायक प्रोफेसर के पद का भार छोड़ दिया है।

दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. ए.-12025/16/80-(एच. क्यू.)/प्रशासन-1-राष्ट्र-पति ने श्री ए. के. श्रीवास्तव को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में 12 अक्टूबर, 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सहायक सचिव (भारतीय भोजन समिति) के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

2. श्री ए. के. श्रीवास्तव के सहायक सचिव (आई. पी. सी.) नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री पी. के. गुहा को 6 अक्टूबर, 1981 (अपराह्न) से मेडिकल स्टोर डिपो, मन्नास में सहायक डिपो प्रबंधक के पद पर रिक्ट हो गये हैं समझा जाये।

शाम लाल कठियाला
उप निदेशक प्रशासन (सं. एवं पद्धति)

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

सं. ए.-19023/13/78-प्र. त.-इस निदेशालय के अधीन उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग-11) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री जमनलाल ने दिनांक 23-9-81 की अपराह्न में आमनगर में विपणन अधिकारी (वर्ग-11) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. ए. 19023/6/81-प्र. त.-विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ब) की संस्तुतियों के अनुसार श्री आर. के. व्याघरा को जो इस निदेशालय के अधीन नामिक रोड में दिनांक 28-2-1981 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-1), के पद पर काम कर रहे हैं, उसी मुख्यालय में दिनांक 26-9-81 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. ए.-35014/2/78-प्र.-111-अण्डमान निकोबार प्रशासन के अधीन कृषि निदेशालय, पोर्ट ब्लेयर में इस निदेशालय के विपणन अधिकारी श्री आर. सुब्रमण्यम की प्रतिनियुक्ति को दिनांक 18-9-81 से प्रतिनियुक्ति की वर्तमान शर्तों पर एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए.-19025/53/81-प्र. त.—इस निदेशालय में निम्नलिखित व्यक्ति उनके आगे लिखी तिथि से स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किए गए हैं :—

- (1) श्री विवेक गयासेन—28-9-81 (पूर्वाह्न)
- (2) श्री गुलाम मुहम्मद रब्बानी—30-9-81 (पूर्वाह्न)
- (3) श्री लोकेश कुमार—30-9-81 (पूर्वाह्न)
- (4) श्री दीनानाथ श्रीवास्तव—1-10-81 (पूर्वाह्न)
- (5) श्री अशोक कुमार गर्ग—1-10-81 (पूर्वाह्न)

दिनांक 2 नवम्बर 1981

सं. ए.-19023/13/81-प्र. त.—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एम. कुरालनाथन, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन अबोहर में दिनांक 3-10-81 (पूर्वाह्न) से अगले आवेग होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के उपरान्त श्री कुरालनाथन ने दिनांक 1-10-81 के अपराह्न में फरीदाबाद में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी. एल. मनिहार
निवेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 15 अक्टूबर 1981

सं. पीए/79(4)/80 आर-111—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री अब्दुल करीम मुहीउद्दीन नाइक, सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने के लिए इस अनुसंधान केन्द्र में 17-8-81 से 3-10-81 अपराह्न तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अक्टूबर 1981

सं. पीए/79(4)/80 आर-111—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री विठ्ठल रामचन्द्र शिवले, सहायक सुरक्षा अधिकारी (एम. जी.) को इस अनुसंधान केन्द्र में स्थानापना सेवा के नियंत्रण आधार पर दिनांक 4-9-81 से 7-10-81 (अपराह्न) तक सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करने हैं।

ए. शान्ताकुमार मेनोन
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 29 अक्टूबर 1981

सं. प ख प्र-8/81-भती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग में

स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न लेखापाल, श्री जे. के. शर्मा को उम्मी प्रभाग में श्री डी. एस. इसरानी, सहायक लेखा अधिकारी की लेखा अधिकारी-11 के पद पर पदोन्नति हो जाने से, 22-8-1981 से 24-11-1981 तक स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. प ख प्र-8/1/81-भती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग में स्थायी लेखापाल और स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री डी. एस. इसरानी को उम्मी प्रभाग में श्री के. पी. शंखरन, लेखा अधिकारी-11 की लेखा अधिकारी-111 के पद पर पदोन्नति होने पर 22-8-1981 से 24-11-1981 तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी-11 नियुक्त करते हैं।

एम. एस. राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलूर-560009, दिनांक 29 अक्टूबर 1981

सं. 3/2/81-सि.ई.प्र. (एच.)—अंतरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य इंजीनियर अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी श्री ए. एस. आर. नायर को सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक जून 30, 1977 के पूर्वाह्न से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

एम. पी. आर. पाणिकर
प्रशासन अधिकारी-11
कृते मुख्य इंजीनियर

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 30 अक्टूबर 1981

सं. स्था. (1) 00674—डा. ए. एस. रामनाथन, मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (जलमौसम विज्ञान), मौसम विज्ञान के महानिदेशक के नई दिल्ली मुख्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग से दिनांक 1-10-1981 पूर्वाह्न को स्वीच्छक रूप से सेवा निवृत्त हुए।

के. मुखर्जी
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं. ए-31013(4)/1/78-स्था.-1—गण्डपति, श्री ए. एस. वर्मा को भारत मौसम विज्ञान विभाग में 1-3-1978 से हिन्दी अधिकारी के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इस समय श्री वर्मा डाक तार निदेशालय में वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी के पद पर प्रति नियुक्ति पर हैं।

एस. के. दास
मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1981

सं. ए-19011/38/80-ई. -1—राष्ट्रपति ने महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री बी. एस. राव, उपनिवेशक (उड़ान कार्मिक दल मानक) को दिनांक 30-9-81 (अपराह्न) से मूल नियम 56 (क) के अन्तर्गत से सेवानिवृत्त कर दिया है।

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1981

सं. ए-32013/3/76-ई. ए.—राष्ट्रपति ने श्री ए. के. नागर विमानन विभाग के श्री ए. के. सिन्हा को दिनांक 27-2-77 से और अन्य आदेश होने तक विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में संस्थापित पदान्ति प्रदान की है।

दिनांक 22 अक्टूबर 1981

सं. ए-38013/1/81-ई. ए.—क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई के कार्यालय के श्री स्वतन्त्र लाल, विभाग क्षेत्र अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा में नियुक्त होने पर दिनांक 30-9-1981 से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं. ए. 32014/1/80-ई. ए.—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित विमान क्षेत्र सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। इन्हें दिल्ली एयरपोर्ट, दिल्ली में तैनात किया गया है।

क्रम सं. नाम तारीख

1. श्री के. एन. मेहता—20-8-81

2. श्री बलवन्त राय—20-8-81

सुधाकर गुप्ता
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं. ए. 38015/12/81-ई. सी.—महानिदेशक नागर विमानन ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकका, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री प्रेम कुमार, सहायक तकनीकी अधिकारी को केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियमावली, 1972 के नियम 48(ए) के अन्तर्गत निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 30-9-81 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

प्रेम चन्द
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

सं. ए. 32013/2/79-ई. डब्ल्यू.—राष्ट्रपति ने श्री एन. गोपाल, सहायक निदेशक (उपस्कर), (तदर्थ आधार पर

स्थानापन्न उप निदेशक उपस्कर) को दिनांक 28 अगस्त, 1981 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक रु. 1500-60-1800 के वेतनमान में उप निदेशक उपस्कर के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

2. श्री एन. गोपाल को महानिदेशक नागर विमानन मुख्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया गया है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए. 32013/2/81-ई. डब्ल्यू.—राष्ट्रपति ने श्री एल. सी. गुप्ता, विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी को नागर विमानन विभाग में दिनांक 26-9-1981 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, रु. 1100-50-1600 के वेतनमान में सहायक निदेशक, उपस्कर के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. श्री एल. सी. गुप्ता को क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया गया है।

ई. एल. टैमलर
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

सं. ए. 12025/1/79-ई. एस.—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति ने श्री मांगी लाल को नागर विमानन विभाग में दिनांक 12-10-1981 से और अन्य आदेश होने तक रु. 700-1300 के वेतनमान में विमान निरीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए. 12025/8/77-ई. एम.—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर राष्ट्रपति ने श्री धनश्याम दास को नागर विमानन विभाग में दिनांक 29 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विमान सुरक्षा अधिकारी (इंजी.) के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं. ए. 38015/2/80-ई. एस.—नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भण्डार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एन. एस. बक्सी भण्डार अधिकारी (ममूह "ख" पद) ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा में निवृत्त होने पर दिनांक 30 सितम्बर, 1981 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं. ए. 32014/3/81-ई. एम.—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री आर. जी. शिन्दे, अधीक्षक की प्रशासनिक अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 31-3-1982 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों सामान्य शर्तों पर जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

जगदीश चन्द्र गर्ग
सहायक निदेशक नागर प्रशासन

उर्जा मंत्रालय
कोयला विभाग

कोयला खान श्रमिक कल्याण सस्था
धनबाद, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

म पी 8(25)67—कोयला खान श्रमिक कल्याण नियम, 1949 के उप-नियम 1 (अ) में दिए गए अधिकारों का प्रयोग कर कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाहकार समिति एतद् द्वारा सर्वश्री ओ महीपति, सलाहकार (पी एण्ड आई आर), कोल इंडिया लिमिटेड, कलकत्ता तथा वी मनोहर, निदेशक (पी) बी सी सी एल, धनबाद को श्री एस राय, मुख्य लेखा नियंत्रक, ई सी एल, डिजरगढ़ (जो पद त्याग कर दिए) तथा श्री एस के चौधरी, महाप्रबंधक (पी) बी सी सी एल, धनबाद के स्थान पर विस्तीय उप-समिति का

सदस्य नियुक्त करती है, जिसका गठन अधिसूचना संख्या-पी 8 (25)67 दिनांक 23-12-1975 एवं दिनांक 14-4-1981 की अधिसूचना में किए गए उत्तरवर्ती संशोधन में उल्लिखित है तथा कथित अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है—

“क्रम संख्या 2 तथा 3-श्री एस राय, मुख्य लेखा नियंत्रक, पूर्वीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड, डिजरगढ़ तथा श्री एस के चौधरी (पी) बी सी सी एल, धनबाद, के स्थान पर क्रम संख्या 2 तथा 3 श्री ओ महीपति सलाहकार (पी एण्ड आई आर) कोल इंडिया लिमिटेड, कलकत्ता तथा श्री वी मनोहर, निवेशक (पी) बी सी सी एल, धनबाद” प्रतिस्थापित किया जाए।

बामोदर पण्डित
कोयला खान कल्याण आयुक्त

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 21 अक्टूबर 1981

सं ए-19012/963/81-स्था० पाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को सं० 650-30-740-35 810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीख में छ महीने की अवधि अथवा पदों को नियमित आधार पर भर जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम तथा पदनाम	अति० सहा० नि०/ सहा० इंजी० के रूप में कार्यभार सम्भालने की तारीख	जहाँ पदस्थापित किए गए
सर्वश्री			
1	एस० पी० गर्ग, अभिकल्प सहायक	10-7-81 (पूर्वाह्न)	पी० एण्ड पी० निदेशालय
2	एस० आर० सरकार, पर्यवेक्षक	9-9-81 (पूर्वाह्न)	एच० सी० डी०-II, निदेशालय
3	एस० के० मुखर्जी, पर्यवेक्षक	21-9-81 (पूर्वाह्न)	ई० आर० डी० डी०-I, निदेशालय

दिनांक 26 अक्टूबर 1981

स ए-19012 933/81-स्थापना-पाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री के एन राय, पर्यवेक्षक को सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 29 सितम्बर, 1981 की पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि अथवा पदों को नियमित आधार पर भरने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

स ए-19012/953/81-स्थापना पाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस बी खे, पर्यवेक्षक को सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 12 अक्टूबर, 1981 की पूर्वाह्न से छ महीने की अवधि अथवा पदों को नियमित आधार पर भरने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

स ए-19012/960/80-स्थापना-पाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री धनन्य दत्ता, पर्यवेक्षक को सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 1 अक्टूबर, 1981 की पूर्वाह्न से छ महीने की अवधि अथवा पदों को नियमित आधार पर भरने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अक्टूबर, 1981

स ए-19012/897/81-स्था. पाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री ए. के चक्रवर्ती, पर्यवेक्षक को सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 17-3-81 के पूर्वाह्न से 6 माह की

अवधि के लिये या इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19012/962/81-स्था. पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एम. एम. सने शर्मा, पर्यवेक्षक क्र. रु. 650-30-740-35-810-व. र. -25-880-40-1000-द. र. -40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 26 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि के लिए या इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19012/979/81-स्थापना-पांच---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री पी. पी. अब्दुरीहमन, पर्यवेक्षक क्र. रु. 650-30-740-35-810-द. र. -35-880-40-1000-व. र. -40-1200 के वेतनमान में 16 अक्टूबर, 1981 की पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए. भट्टाचार्य
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

रेल मंत्रालय

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-226011, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

सं. ए/ई पी/1648--श्री आई. सी. कक्कड़, भूतपूर्व अनु-भाग अधिकारी (स्थापना-4), जिनका धारणाधिकार (लियन) अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (रेल मंत्रालय) लखनऊ के आशुलिपिक ग्रेड-11 के पद पर था, का त्यागपत्र 1-9-1981 पूर्वाह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

ले. फ़ा. जे. फ़्रेटस
महानिदेशक

विधि, न्याय तथा कंपनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पॉनमुडी ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सं. 4915/560/81--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पॉनमुडी ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

ह. अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गंगा फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1973

सं. 831/560/73--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर गंगा फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नोबल शीट मेटल एण्ड फ़ैब्रिकेटरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 नवम्बर 1981

सं. 17416/560 (5)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नोबल शीट मेटल एण्ड फ़ैब्रिकेटरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र, बम्बई

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कोचीन-16, दिनांक 16 अक्टूबर 1981

अर्जन रज, एरणाकुलम

निर्देश सं. एल. सी. 540/81-82—यतः मू.जे. टी. जेड. माणि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. अनुसूचि के अनुसार है, जो तिरुवाकुलम में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निम्नलिखित में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-2-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नंदाकुमार और शोभना

(अन्तरक)

(2) श्री बी. डी. जोसुफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2-48446 acres of land in Sy. No. 316/1 317 & 315/3 of Thuvakulam vill. as per schedule attached to doc. No. 651/81.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, एरणाकुलम

तारीख : 16-10-81
मोहर

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पी. शिवशंकरन

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी. टी. जोसफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 16 अक्टूबर 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

निर्देश सं. एल. सी. 541/81-82---यतः मूके, टी.
जेड. माणि,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूचि के अनुसार है, जो तिरुवाकुलम में
स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय त्रिघृणात्तुरा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 16-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

1.29875 acres of land with building in Sy. No. 3174316/142
of Thuruvakulam village as per schedule attached to doc No.
652/81.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 16-10-81
साहू

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. 1183/एकवी/23-11/81-82---
अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वाधर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं. नोव नं. 1335, वाड नं. 5, हरिपुरा है।
तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री नुरबाणु धरमशी भाई, जधारली धरमशी भाई,
सुलनानेजी धरमशी भाई, रामसानजी धरमशी, अनवर
धरमशी भाई, सलीम धरमशी भाई, बी-11 करीमा-
बाद मोसाहटी गोव-दाद रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्तीबेन उर्फ वसन्ताबेन गमन लाल
बिपिनचंद्र गमनलाल मोदी, नारेशचंद्र गमनलाल
मोदी, सतीशचंद्र गमनलाल मोदी, पंकजकुमार
गमनलाल मोदी, हरिपुरा, मेन रोड, जै टैमपल
के पास, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोव नं. 1335, वाड नं. 5, कालजंग
माहोल, सूरत में स्थित है। जो यथावधि फरवरी, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 26-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री कन्नयन और राजा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वालमा साखो और मरियम्मा जोस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रॉज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

मद्रास, दिनांक 28 अगस्त 1981

निर्वाण सं. 11338--यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं. 17/370, 371, 372 है, जो आपनकार
स्ट्रीट कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं. 577/81) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1981

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित है
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ लाया जायेगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उम्मेद बनने में सुविधा
के लिए; और या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाँहिए था छुटाने में
सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण-17/370, 371, 372 आपनकार स्ट्रीट
कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं. 577/81)।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्ता :--

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रॉज, मद्रास

तारीख: 28-8-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री रामदास जी कामत, (2) श्रीमती कमला आर कामत मार्गोवा गोवा।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

- (अन्तरक)
(2) समाधान कोआपरेटिव हॉसिंग सोसैटी लिमिटेड मार्गोवा गोवा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 355/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन राक्षस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. चलता नंबर 162 है, जो आर्कोम रोड, मार्गोवा में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मार्गोवा, गोवा अंडर डाक्यूमेंट नंबर 43/81 दिनांक 25-2-1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मार्गोवा में स्थित खुला जगह (750 स्क्वैर मीटर) जिसका नाम है "माल्बात" और जिसका चलता नंबर है 162।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलोर

तारीख : 15-9-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 356/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी सं. बिल्डिंग नं. 1 और तीन समाधान बिल्डिंग, मार्गोवा है, जो आक्रेम रोड, मार्गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से परिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मार्गोवा, गोवा अंडर डायरेक्ट नंबर 43/81 दिनांक 25-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

(1) समाधान कोआपरेटिव हौसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मार्गोवा।

(अन्तरक)

(1) श्री रामदास जि. कामत, (2) श्रीमती कमला आर. कामत माल्वन, मार्गोवा, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितन्त्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आक्रेम रोड, मार्गोवा में स्थित "समाधान बिल्डिंग" में ग्राउंड फ्लोर में स्थित तीन दुकान (बिल्डिंग नंबर 1) और एक फ्लैट जो बिल्डिंग नंबर तीन में फ्लैट फ्लोर पर स्थित है।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बेंगलूर

तारीख : 15-9-1981

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 357/81-82—यतः मूके, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. मेट्रिज नंबर 808 चला नंबर 182 है, जो पणजी, गोवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलहाम, गोवा अंडर ट्राक्युमेंट नंबर 73/81, दिनांक 16-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अंटोनियो जोस पेरेरा बारोस वाल्डारस सिंडिकेट बैंक के पास मामूंगोवा, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लूसी किलोभिना में लोबो गोम्स पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोवा पणजी में स्थित 700 स्क्वेयर मीटर जगह और उस पर स्थित बिल्डिंग जिसका नाम है "कासा डे मोराडा कामे से क्युंटल ओ होंटा" और जिसका मेट्रिज नंबर है 808 और चला नंबर 182।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बेंगलोर

तारीख : 15-9-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 358/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 'डी-3' है, तथा जो ला कंपाला रॉसिडेशियल कालोनी, पणजि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इल्हास, गोवा (अंडर आकूमेंट नंबर 97/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन के अधीन, दिनांक 24-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती हेमलता हिरालाल रायताता, पणजि।
(अन्तरक)
- (2) श्री कृष्णकांत नरसिंह वेण्णैकर उर्फ श्री कृष्णकांत नरसिंह पोयै वेण्णैकर, असोलना, मार्गोवा, गोवा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पणजि, "ला कंपाला रॉसिडेशियल कालोनी" में स्थित इमारत (जगह सहित) जिसका नंबर है प्लॉट नंबर डी-3।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बेंगलोर

तारीख : 15-9-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जुलाई 1981

निदेश सं. 931/एसीक्यू. आर-3/81-82—यतः, मुझे,
आई० टी० एन०. जूनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 25 है, तथा जो वाटरलू स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) का अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) श्रीमती रेतुबाला दास।

(अन्तरक)

(2) अम्बर प्रोपर्टीस (प्रा.) लि.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

25, वाटरलू स्ट्रीट, कलकत्ता (1/6 वां भाग) दलिल सं.
1089।

आई० टी० एन०. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किदवाह रोड,
अर्जन रोज-1।। कलकत्ता-16

तारीख : 22-7-1981
मोहर

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अगस्त 1981

निर्देश सं ए, सी 40/रंज-4/कल/1981-82—
प्रतः मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सी पी 1525 है तथा जो मौजा और थाना बहरमपुर
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुर्शिदाबाद
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 12-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए;
बॉर्डर/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
स्विभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

(1) श्रीमती सरमी बाना राय।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मान्ती राय।

(अन्तरिती)

(3) डा अधिर कुमार सरकार।

(यह व्यक्ति जिसके अभिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ कराई गई हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1981 का वस्तावेज सं पी-1525 के अनुसार मौजा-बहरम-
पूर, थाना-बहरमपूर, जिला-मुर्शिदाबाद में मकान समेत 09
डेंसी जमीन स्थित है।

के सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
अर्जन रंज-4, कलकत्ता

तारीख 6-8-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) सन्तोष कुमार मल्लिक एण्ड आदर्श।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री महम्मद सौकत अली।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

कलकत्ता, दिनांक

1981

कलकत्ता, दिनांक 1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं. ए. सी. /रंज-4/कल/1981-82--यतः मुझे, आई. टी. एस. जूनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. 56 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

56 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 16 कट्टा, 14 छटाक, 30 वर्ग फिट जमीन पर एकतल्लमी-मकान का 1/2 हिस्सा जो आई-883 डी नं. अनुसार 10-2-1981 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एन्शुरेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई. टी. एस. जूनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

अर्जन रंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितंबर 1981

निर्देश सं. ए. सी. 52/रंज- /कल/1981-82---
ततः, मुझे, के. सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
[सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है], की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. है तथा जो धाना-कसबा, जिला-24-
परगणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और,
[पूर्ण रूप से वर्णित है], रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
प्रलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अमूकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

4-336GI/81

1. वि. सबर्बन एंगेरिकल्चर डायरी एण्ड फिशरिस (प्र.)
लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. ट्रस्ट फिशरी डिवेलपमेंट एण्ड रिसर्च सेंटर बोर्ड ।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन---4=10 सतक, माँजा---जाक गड़िया, धाना-कसबा,
जिला---24 परगणा पर स्थित ।

वस्तावेज नं. 1981 का 1393 ।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-4, कलकत्ता,
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16तारीख : 30-9-1981
सोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी. 53/रज-4/कल/1981-82---यतः
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. है तथा जो धाना-कसबा, जिला 24-
परगणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और,
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:-

1. वि. सबर्बन एगोरिकलचर डायरी एण्ड फिशरिस (प्रा.)
लिमिटेड ।
(अन्तरक)
2. ट्रस्ट फिशरी डिबेलपमेन्ट एण्ड रिसर्च सेंटर बोर्ड ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन 4.13 सतक, पता-माँजा--चाक गड़िया, धाना-कसबा,
जिला--24-परगणा, दस्तावेज नं. 1981 का 1394 ।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-4, कलकत्ता
54, रफीअहमद किवदाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 30-9-1981
मोहर :

प्रारूप आर्द्द.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी 53/रज-4/कल/1981-82--यत,
मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो थाना-कसबा, जिला 24-
परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या कियत जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. दि सबर्बन एगोरिकलचर डायरी एण्ड फिशरिस (प्रा.)
लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. महातिरधम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उमीन 4.14 सतक, पता-मोजा-चाकू गाड़िया, थाना-कसबा,
जिला 24-परगना। दस्तावेज नं. नं. 1981 का 1395।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किववाह रोड,
अर्जन रोज-4, कलकत्ता,

तारीख : 30-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी. 54/रंज-4/कल/1981-82—यतः,
मुझे, को. सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं. है तथा जो धाना-कसबा, जिला 24-
परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और,
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य सम्पत्ति को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. वि. सर्वजन एगोरिकलचर डायरी एण्ड फिशरिस (प्र.)
लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. महातिरधम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन 4.14 सतक। पता—मंजा-चाक गड़िया, धाना-कसबा,
जिला 24-परगना। दस्तावेज नं. 1981 का 1396।

को. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीजहमद क़िदवाही रोड,
अर्जन रंज-4, कलकत्ता

तारीख : 30-9-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी. 55/रंज-4/कल/1981-82—यतः

मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं.

है तथा जो थाना-कसबा, जिला 24-
परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविकता में रखा नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दि सबर्बन एगैरिकलचर डायरी एण्ड फिशरिस (प्रा.)
लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. मुखर्जी कनस्ट्रक्शन प्रा. लि.

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जम्मेन 4.25 सतक, पता—मौजा चाक गड़िया, थाना-कसबा,
जिला 24-परगना। दस्तावेज नं. 1981 का 1397।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किरवाह रोड,
अर्जन रोज-4, कलकत्ता

तारीख : 30-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी. 56/रज-4/कल/1981-82—यत
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. है तथा जो थाना-कसबा, जिला 24-
परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

[(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

[(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी ज्ञान सहेदिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. दि सबर्बन एगैरिकलचर डायरी एण्ड फिशरिस (प्रा.)
लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मुखर्जी कन्स्ट्रक्शन प्रा. लि.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करस हें।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 4.26 सतक परता-माँजा-चाक गड़िया, थाना-कसबा,
जिला-24 परगना। वस्तावेज नं. 1981 का 1398।

के. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, कलकत्ता,

54, रफीअहमद किववाह रोड,

कलकत्ता-16

तारीख 30-9-1981

सील :

प्रारूप धारा टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी. 57/रज-4/कल/1981-82—यतः,
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹ में अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो उत्तर बक्सरा, हवड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में, और, पूर्णरूप से
निर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन दूर दूर के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री दिलीप, प्रदीप, सन्धीप मुखर्जी, कुमारी कृम-
कुम, बलु मुखर्जी, काजल चक्रवर्ती ।

(अन्तरक)

2. श्री मुरारी मोहन पाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उमीन 12क. 3छ 40 वर्ग. फुट-मकान समेत, उत्तर
बक्सरा, संतारांवाछी, जिला-हवड़ा। दस्तावेज नं. 1981 का
985 ।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-4, कलकत्ता,
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 30-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री कालीपद चक्रवर्ती ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. में. चन्द्रस कोमिकल (प्रा.) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी. 58/रंज-4/कल/1981-82--यतः,
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो बनहुगली, धाना-बरा-
नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर
(बमदम) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 6-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की मात्रा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अमीन-28 क. 8 छटाक, पत्ता मजिा बनहुगली, धाना-बरा-
नगर, जिला परगना-24। दस्तावेज नं. 1981 का 950।

के. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

54, रफीअहमद किववाइ रोड,

कलकत्ता-16।

तारीख : 30-9-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री मनील कुमार दास।

(अन्तरक)

2. श्री नन्द दलान पाल और तीन आदमी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अक्टूबर 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

निर्देश सं. 957/एक्यू/आर-111/81-82—यतः, मुझे,
आई. वी. एस. जूनैजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 19/1बी है तथा जो श्यामानन्द रोड, कल-
कत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलिपूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कोषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—356GI/81

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

19/1बी श्यामानन्द रोड कलकत्ता में अब स्थिति, 2 कटा
12 छटाक, (लगभग) जमीन जो 20-2-81 तारीख में सब
रजिस्ट्रार अलिपूर 24-परगना दफ्तर में डीड नं. 815 अनुसार
रजिस्ट्र हुआ है।

आई. वी. एस. जूनैजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1।

54, रफीअहमद किववाइ रंज,
कलकत्ता-16

तारीख : 16-10-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 अक्टूबर 1981

निर्देश, सं. 955/एक्वी. आर-111/81-82--यतः,
मुझे, आई. वी. एस. जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. पी. 15, 16, 17 है तथा जो गरियावाड रोड
(साउथ) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और, पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 23-2-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. दि मनजुसा कोओपरेटिंग हाउसिंग सोसाइटी लि.।
(अन्तरक)

2. डा. अरुण कुमार शील।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

पी-15, 16, और 17, गरियावाड रोड (साउथ), कलकत्ता,
प्लॉट 5, तल्लापूर दलिल सं. 1302।

आई. वी. एस. जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-111
54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 17-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

1. अरुण कुमार दे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मोतीलाल टॉडि और दूसरा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

अर्जन रंज-111, कलकत्ता,

कलकत्ता, दिनांक 17 अक्टूबर 1981,

निर्देश सं. 956/एक्वी. आर-111/81-82/कल--यत.
मुझे, आई. वी. एस. जूनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 8 है तथा जो लाला लाजपत सरनी, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 27-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दानत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8, लाला लाजपत सरनी, कलकत्ता । 17-के-9 सीएच-35
स्केयर फीट जमीन पर मकान। दलिल सं. 1512।

आई. वी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-111

54, रफीअहमद कदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 17-10-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन्. एस. ———

1. श्री मुहम्मद, रफिक, (15 आवामी)।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री महावीर प्रसाद, अगरवाला ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन-के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

अर्जन रंज-1, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक 17 सितम्बर 1981

निर्देश सं. एस-591/टी.आर.583/80:81/कल—यतः
आई. वी. एस. जूनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 2 और 2/1ए है तथा हाईड लें, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-10-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए एअन्तरिती की गई है और मझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

2 नं. हाईडलें कलकत्ता में अब स्थित, और 2/1ए,
हाईडलें में अवस्थित, 6 कट्टा 4 छटाक, 12 वर्ग फिट,
जमीन पर चार तल्ला मकान सी 26-2-81 तारीख में रजिस्ट्रार
आफ एश्युरेन्स कलकत्ता का दफ्तर में डीड नं. 1435 अनुसार
रजिस्ट्र हुआ।

आई. वी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1

54, रफीअहमद किववाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 17-10-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश सं 3 नि सं आ आ /एक्वीजीशन 2/एस आर-
1/2-81/7468---चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लॉट नं 17, है एव जा सधारा कालन में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में
दिया गया है, का पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16
वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 श्री जयराम शर्मा और दूसरे 39/9, शक्ति नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री शशि गुप्ता श्री वेद प्रकाश गुप्ता, 3907
गली वरना सदन बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं 17, ब्लॉक 'ई' सधारा कालन दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-11, नई दिल्ली

तारीख 19-10-1981
माहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ.आ./एक्जीजीशन 2/एस.आर-
1/2-18/7404—चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 38, ब्लॉक एफ है एवं जो कमला नगर, में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है) पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक
फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. ओम वती गुप्ता पत्नी रमेश चंद्र गुप्ता, नं. 14-एफ,
कमला नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मरीन्दर कौर छाबा पत्नी श्री जोगिन्दर सिंह छाबा,
8/5, सिंह सभा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 3, 'एफ' ब्लॉक कमला नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

तारीख 19-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1 श्री जगल किशोरी पत्नी श्री कृष्ण लाल एन-89,
किर्ती नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री आर. एस. अग्रवाल, 24/15, शक्ति नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन 2/एस.आर.-
1/2-81/7408—चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या शोप नं. 3, है एवं जो शक्ति नगर में स्थित
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया
गया) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी,
1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

शोप नं. 3, शक्ति नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

तारीख . 19-10-1981
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/2-81/4185—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी स. कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-नवादा में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में, विभांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री ओम सरूप सुपूत्र चन्दगी और दूसरा, ग्राम-नवादा, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोरी लाल बत्रा सुपूत्र स्वर्गीय श्री जी. एम. बत्रा, निवासी इ/इ/5-ए-21, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-नवादा, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

(1) सुशिल आर. साहनी सपूत्र आर. एम. साहनी, 7/9, रूप नगर, सवजी मंडी, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री देविन्दर कुमार सपूत्र डी. डी. अग्रवाल, सी-2/32, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/2-81/4219—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-इबाहिमपुर, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 के इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

6-336GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-इबाहिमपुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-10-1981

सील :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्टरस्टेडेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/2-81/7464—भूक में, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 25, है एवं जो रामेश्वर नगर, में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रदत्त प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रे) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरबंस सिंह सुपुत्र इसर सिंह, मकान नं. 25, रामेश्वर नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वि. एम. भानात सुपुत्र राम प्रताप भानात, मकान नं. 25, रामेश्वर नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 25, रामेश्वर नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रारूप आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4220—चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-इब्राहिमपुर,
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 के इतने प्रकट प्रति-
फल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५--

(1) श्री कमल आर. साहनी सुपुत्र आर. एम्. साहनी,
7/9, रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नरवीर कुमार सुपुत्र श्री डी. डी. अग्रवाल,
सी-2/32, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-इब्राहिमपुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.म. आ.आ./एक्जीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4218--चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक हैऔर जिसकी सख्या कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-इब्राहिमपुर,
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 के इतने प्रकट प्रति-
फल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।---(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---(1) श्री आर आर साहनी पत्नी आर एम साहनी,
7/9, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार सूपन डी डी अग्रवाल,
एच-2/5, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-इब्राहिमपुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-10-1981

माहुर .

प्रारूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजिशन 2/एस-आर-2/
2-81/4217--चूक में, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-इब्राहिमपुर,
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 के इतने प्रकट प्रति-
फल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अप्रसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री आर. आर. साहनी पत्नी श्री आर. एम. साहनी,
7/9, मॉडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर कुमार सूत्र श्री डी. डी. अग्रवाल,
एच-2/5, मॉडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद्ध
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-इब्राहिमपुर, दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्सीजीशन 2/एस-आर-2/2-81/4234—चूकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-असलत पर, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलीप सिंह सुपुत्र श्री रूप राम और दूसरे, निवासी असलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उर्मिला जैन पत्नी श्याम लाल, ए-2/98, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-असलतपुर खार, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/7394—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 201 है, एवं जो गोलहरी बाग,
प्रेम नगर, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आदिग था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री रोशन लाल, अशोक कुमार और कृष्णा कुमार
सुपुत्र प्रह्लाद मल, निवासी 7/29, रूप नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चमेली देवी पत्नी राम कुमार, 7308, प्रेम
नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम तलाश में आकर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 201, गोलहरी बाग, प्रेम नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ओम सरूप सुपुत्र चन्वगी और दूसरे ग्राम-नवादा, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री दलजीत सिंह पत्नी हरविन्दर सिंह और दूसरे
3-ए, 1434, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, "एज" ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एम-आर-2/
2-81/4228—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम नवादा, दिल्ली में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम---नवादा, दिल्ली।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निदेश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्जीजीशन 2/एस-आर-1/
2-81/7409—यतः मूझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 437) (जिसे इससे
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और
जिसकी संख्या सोपे नं. 3, है एवं जो शक्ति नगर, दिल्ली
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7—336GI/81

(1) श्री तिलक राज सुपुत्र कृशन लाल एन/89, कीर्ती
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आर. एस. अग्रवाल, सुपुत्र आर. डी. अग्रवाल
24/शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सोपे नं. 3 शक्ति नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्जीजीशन 2/एस-आर-1/
2-81/7373—यत. मुझे, विमल विशष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

जिसकी संख्या प्लॉट नं. 15, है एवं जो नेताजी रोड, आदर्श नगर
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सीता देवी पत्नी स्वर्गीय श्री हुंस राज
अग्रवाल डी-1, सी. सी. कालोनी दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता संपूत्र राम गोपाल गुप्ता
एच 2/3, मॉडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 15, नेताजी रोड, आदर्श नगर, दिल्ली।

विमल विशष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रमुख धारा, टी. एन. एस. -----

(1) मै. ग्लेस गुडस कॅरियर प्रा. लि. 30 ओर बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शकुन्तला बेदी पत्नी बृजराका प्रसाद 864 कटरा हिन्दू फरास खाना दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निदेश सं. 3 नि.स.आ.आ./एकवीजीशन 2/एस-आर-1/2-81/7452-यत मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संस्था शोप नं. 3, है एवं जो म्युनिसीपल नं. 622, 625, (न्यू) जी. बी. रोड, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करावा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितग्राही किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 बूकाने म्युनिसीपल नं. 622, 625, (न्यू) बिहाइन्ड जी. बी. रोड, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 1/2-81/
7465---यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
जिसकी संख्या प्लॉट नं. 32 है एवं जो हरफूल सिंह सबर थाना
रोड, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सादी लाल पंडित सुपुत्र स्वर्गीय श्री हर प्रसार
5565-66/3, एस/मंडी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन देवी गुप्ता पत्नी वासी राम,
5663/20, बस्ती हरफूल सिंह एस/मंडी,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं. 32, हरफूल सिंह सदर थाना रोड, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

माहुर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टैंट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्सीजीशन 2/एस-आर-1/
2-81/7434---यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है।

जिसकी संख्या 2074 है एवं जो चाह इन्दरा कोड़िया पुल,
इलाका-4, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री वंकी दयालः, निवासी 2074, चाह इन्दरा,
कोड़िया पुल दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मिस आशा कुमारी अग्रवाल सुपुत्री सुखवीर
सरण अग्रवाल 2003, कर्ता लक्ष्मी सिंह फौटेन
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रो. नं. 2074 चाह इन्दरा, कोड़िया पुल, इलाका नं. 4,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्व्प्रस्थस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/2-81/7365---यतः मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 5489 से 5491 है एवं जो बस्ती हरफूल सिंह सदर थाना रोड, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सादा राम सुपुत्र श्री मूलर सिंह ग्राम-और पो. हरसना कलां तेहाइल, जिला सोनिपत ।

(अन्तरक)

(2) श्री वर्शन सिंह सुपुत्र नाथा सिंह, 5491 बस्ती हरफूल सिंह दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 5489, 5490, और 5491, बस्ती हरफूल सिंह सदर थाना रोड, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4235—यतः सूची, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन नसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम टिकारी कालन दिल्ली
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित धास्तियों, यथातः :-

- (1) श्री करतार सिंह मेहताद सिंह सुपुत्र बरीया सिंह
ग्राम-टिकारी कालन, दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री सी. एस. चावला सुपुत्र साम राज चावला
9/19, पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताजरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-टिकारी कालन दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/
2-81/4210—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी संस्था कृषि भूमि है एवं जो साहिबाबाद, दौलत पुर में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण मेलन अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भगवान सिंह, राय सिंह, प्रताप सिंह और
अजीत सिंह सुपुत्र श्री सरूप सिंह ग्राम-साहिबाबाद,
दौलत पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेंद्र कुमार हिमतरंका सुपुत्र गौरी शंकर,
139-डी, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-साहिबाबाद, दौलत पुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्ररूप धार्ड० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन2/एस-आर-2/2-81/
4236—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो दिचांव कला, दिल्ली में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिकल
(अपारट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
8—336GI/81

(1) श्री सिंह राम, जयपाल सिंह, राम पाल सिंह
और सुरेश सिंह सपूत्र, शीतलन, शाहपुर जेट
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम सिंह चावला सपूत्र राम दिता मल,
डी-23, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम दिचांव कला, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई०टो०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एकवीजीशन2/एस-आर-1/2-81/
7336—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सश्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

जिसकी संख्या सी-28 है एवं जो जी. टी. करनाल रोड, ग्राम
भारोला में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वाँ) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है
जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या क्रय धन या अन्य आस्तिनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहुँ या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री रतन लाल गुप्ता सुपुत्र श्याम लाल सिंगल,
बी-4ए/10, राणाप्रताप बाग, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री तारा चन्द सिंगल सुपुत्र श्याम लाल सिंगल
ए-62/2, जी. टी. करनाल रोड, इन्डस्ट्रीयल
एरिया, ग्राम भारोला, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वसटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. सी-28, नेहरू रोड, आदर्श नगर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रमुख आर्क्ष. टी. एन. ए.ए. -----

(1) श्री गुरभिनवर सिंह बोहरा, ए-2/72, राजोरी गाड़न, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सीलक राम सुपुत्र चुनी जाल, जी-28/3, राजोरी गाड़न, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन2/एस-आर-2/2-81/

4254--चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वें) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो पुरंगीपुर में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 बिघे और 9 बिघे, ग्राम पुरंगीपुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-81/
4183---चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

जिसकी संख्या नं. 108 है एवं जो शामा प्रसाव मुकजी पार्क में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री चन्दर मोहन, विजय मोहन, सूपत्र गुरवियाल
मनचन्दा, 8864, मुल्तानी धन्वा पहाड़ गज,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश सूपत्र बालीक राम शर्मा, एच-65,
शिवजी पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 108, एस. पी. एम. पार्क, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ मस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन2/एस-आर-2/2-81/
4263—चूकित मँ विमल वशिष्ठ,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

जिसकी संख्या प्लॉट नं. 48/1 है एवं जो ग्राम नांगलोई शैयद,
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रति-
फल (अपारट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रभू दयाल और सूरज भान सुपुत्र हरी सिंह,
उद्ध्य. जेड. - 143/डी-1, महाबिर नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरिन्दर गुमार और जगदीश चन्दर सुपुत्र
गनेश दास, 10-ए/24, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 48/1, ग्राम नांगलोई शैयद, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

सर्व 3 नि स आ आ./एक्वीजीशन2/एस-आर-2/2-81/
4261---चूकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
जिसकी सख्या प्रो न 289 है एव जो नागलोई सैयद, में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पञ्जीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, पञ्जीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री आशा राम, सुपुत्र श्री नन्द लाल, ग्राम नागलोई
सैयद, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सुन्दर सुपुत्र नन्द लाल, 5/5, विजय
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. खसरा नं. 289, ग्राम नागलोई सैयद, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-10-1981
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एन० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरस्टेडेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन2/एस-आर-2/2-81/
4262--चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

जिसकी संख्या प्रो. खसरा नं. 289 है एवं जो नांगलोई सड़क,
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रति-
फल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के परोक्षार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त --

(1) श्री राम चन्दर सुपुत्र गगूमल, ग्राम नांगलोई सड़क,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द लाल सुपुत्र एल. श्री चन्दर भान, 5/5,
विजय नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. खसरा नं. 289, ग्राम नांगलोई, सड़क, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सड़का

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्जीक्यूशन 2/एम-आर-1/2-81/
7475—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है जो
जिसकी संख्या मकान नं. 1265 है एवं जो रंगमहल में स्थित
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया
गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट
कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गोमती देवी पत्नी रघू नाथ प्रसाद, और
दूसरे, 540 कटरा इस्वर भवन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राम दूलारी पत्नी श्री राम किशन दास,
1265, रंगमहल, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. रंगमहल दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2 'एस-आर-1/2-81/4190—चूँकि मैं, विश्वल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 106, है एवं जो हरी नगर, घंटाघर, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वाँ) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को उतने प्रतिफल (आपरेट कम्मीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

(1) श्रीमती कालाश कुमारी, बाबु हवेली राम,
111/138, रतन सिंह गांधीनाथ बाजार दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष बहल एनी श्री को. एल. दहल
डी-155, फतेह नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 106, हरी नगर, घंटाघर नई दिल्ली।

विश्वल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

सील :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संख्या 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/81-82/2-81/7406—चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-3, है एवं जो मांडल टाउन, दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोहन लाल धवन, सुपुत्र श्री जीवन दास धवन, जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जगत राम सुपुत्र सनवाल दास और श्रीमती दया वती जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं. जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
सील :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्सीजीशन-2/एस-आर-1/81-82/2-81/7438--चूँकि मैं, विमल बशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. म्युनिसीपल नं. 4771, है एवं जो भरत राम रोड, दरिया गंज, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रणवीर सिंह टंडन, सुपुत्र बी. एम. टंडन, मकान नं. 4771/23, दरिया गंज, अंसारी रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं कांश्चन कमर्सेयल कं. प्रा. लि., 143, कटन स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रमोहस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसीपल नं. 4771, भरत राम रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

विमल बशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्रकरण धार्मिक डी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरस्टेडेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/81-82/2-81/4286—प्रीक मै, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 1, है एवं जो राजोरी गार्डन, में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि परापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तर के लिए तब तब तब प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तर निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित।
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलवन्त राय सुपुत्र मोहन लाल निवासी जे-11
2, राजोरी गार्डन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार गुप्ता सुपुत्र रोसेन लाल गुप्ता 12
18, शक्ति नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1, ब्लॉक नं. जे-4, राजोरी गार्डन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
सील :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती रानी लुधरा, पत्नी, वीनानाथ, 14/22, शक्ति नगर, दिल्ली (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम अवतार गुप्ता और शिवनन्द गुप्ता सुपुत्र श्री नरसिंह दास गुप्ता, निवासी-11702, जी.टी. रोड, शक्ति नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/81-82/2-81/7414--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 22, है एवं जो शक्ति नगर में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 19-10-1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्लॉट नं. 22, ब्लॉक 14, शक्ति नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों बर्तात:--

दिनांक 19-10-1981
सील :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरप्रिस्टेड
नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

सर्व 3 नि.स.आ.आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/81-
82/2-81/4239--चौक मै, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एव जो विभां कला, में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
के, मै. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री सिंह राम और उसके सुपुत्र श्री शंकर, निवासी
शाहपुर जेट दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह चावला एच-यू-एफ, सुपुत्र नन्द
सिंह चावला सी-4, राजौरी गाड़न, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-विभां कलां, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक . 19-10-1981
मोहर:

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरप्रस्थस्टैंट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7405--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं. के-16 है एवं जो मोडल टाउन
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय
में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रे) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

(1) श्री जगत राम सुपुत्र सनवाल दास और दूसरे, के-
16, मोडल टाउन, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री कृशन लाल सुपुत्र राम लाल और दूसरे ए-11/
12, मलका गंज, एस/मंडी, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।]

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. के-16, मोडल टाउन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
सील :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/81-82/4204--चूंकि मैं, विलम वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी रा. जे-12/34, है एच आ राजोरी गाड़न, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण मलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम में दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:-

(1) भीमती राधा रानी कपूर, पत्नी एस. के. कपूर, सेके. नं. 16, मकान नं. 222, फरीदाबाद, (हरियाणा) (अन्तरक)

(2) श्री रणजीत सिंह गुजराल और दूसरे सुपुत्र ज्ञान जे-12/34, राजोरी गाड़न, ग्राम-तातर पुर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

संपूर्ण

प्लेट नं. जे-12/34, राजोरी गाड़न, नई दिल्ली।

विलम वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-11, नई दिल्ली

सील :
दिनांक : 19-10-1981

प्ररूप आई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/81-82/2/581/7407--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-3, है एवं जो मोडल टाउन, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

10-336GI/81

(1) श्रीमती चौध रानी बाई पत्नी सोहन लाल धवन, जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जगत राम, सुपुत्र श्री सनवाल दास और दूसरे जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. जी-3, मोडल टाउन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

सील :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/81-82/2-81/7476—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रो. नं. 2546, है एवं जो मोहला तिरहा बेरम खान, दरिया गंज, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शंख सुमताज उल अफीन सुपुत्र स्वर्गीय समसुल अफिन, 2128, अहता काले साहब, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री भागवत प्रसाद सुपुत्र लाला राम, 3005, कूचा नीलकंठ, फाज बाजार दरिया गंज दिल्ली (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 2546, मोहल्ला तिरहा बेरम खान।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
सील :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संबर्ध 3 नि.स.आ.आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7385--चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/ रु. से अधिक है

जिसकी संख्या मकान नं. 9/151 है एवं जो गली बताशा,
चावड़ी बाजार में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण
अलग अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट
रिफिल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
मतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
द्विगुण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
मतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
हस्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती राम काली देवी पत्नी स्वर्गीय श्री फूल
चन्द, प्रेम शंकर और दूसरे संपुत्र श्री फूल चन्द,
बी-1/205, पश्चिम विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन कुमार, श्री सूरिन्दर कुमार संपुत्र
श्री हन्स राज सुरी, एफ-18/16, कृष्ण नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 9/151, गली बताशा, चावड़ी बाजार,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981
मोहर :-

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7418—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

जिसकी संख्या ए-2/113 है एवं जो राजोरी गार्डन, नई
दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपार्टेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोहरबान सिंह सुपुत्र श्री हरी सिंह, जे-77,
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री प्रीधवीपाल सिंह,
ए-2/113, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सकान नं. ए-2/113, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981
सील :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-81/7412—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 4678, 4681, 4682 है एवं जो महावीर बाजार क्लोथ मार्केट में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बाबू राम सुपुत्र श्री कंदार नाथ, 1547 कृष्ण संभ, दरीबा कलन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राज लीलक सुपुत्र मोहन लाल, 559/2-ए, गली नेताजी, गांधी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 4678, 4681, 4682 महावीर बाजार, क्लोथ मार्केट, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ सं. 3 नि.म.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/
2-81-82/81/7408—चूकि, मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
जिसकी संख्या सोप नं. 22 है एवं जो म्यूनिसीपल नं. 5641,
5644, नई सड़क में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को
विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने
प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कन्मीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी
गई है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगत नाथ सुपुत्र राम रूप, 74, टोडरमल
रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र मोहन और राजेन्द्र मोहन सुपुत्र
स्वर्गीय श्री बाबू, 13, लखनऊ रोड, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी व्यवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सोप नं. 22, म्यूनिसीपल नं. 5641, 5644, कटरा
अनूप सिंह, नई सड़क, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संघर्ष 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एम-आर-1/2-
81/7467--चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 1513 है एवं जो जी. टी. रोड, घंटाघर एस/
मंडी में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिफल प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:--

(1) श्री कस्तूरी लाल, विजय कुमार और दूसरे सुपुत्र
श्री कृष्ण राम, 5256, कहेलापुर रोड, एस/
मंडी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम प्रसाद, जैन, सुपुत्र भक्षी लाल जैन,
43-कें, कोदार बिल्डिंग घंटाघर एस/मंडी दिल्ली
(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं 1513, जी. टी. रोड, घंटाघर सब्जी मंडी,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
माहुर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संवर्ध 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-81/7466--चूंकि मैं विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी संख्या 6 साप्स है एवं जो नियर घंटाधर, एस/मंडी, जी.टी. रोड में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास होने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री राम सरूप, कस्तूरी लाल, काश्मीरी लाल, विजय कुमार और मूलज राज सुपुत्र श्री कोत राम,
राम, 5256, कोहला पर हाउस, एस/मंडी, विल्ली (अन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार जैन, सुपुत्र श्री राम सरूप निवासी-5215, कोहलापुर, रोड, विल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 सोपे नियर, घंटाधर एस/मंडी, विल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981
मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7439--चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैजिसकी संख्या मकान नं. 1747 है एवं जो चीरा खना, में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया कि पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडरेशन)
पर हस्तान्तरित कर दी गई हैको पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

11-336GI/81

(1) श्री रंग बहादुर सपूत शिव साहाय और दूसरे
1747, चीरा खना दिल्ली और दूसरे,
(हस्तांतरणकर्ता)(2) श्री राम सरन, राकेश कुमार, विजेंद्र कुमार,
जगल किशोर निवासी-6/33, डब्ल्यू. ई. ए.,
करोल बाग, नई दिल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1747, चीरा खना दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सुरत सिंह सप्टन छाटे ग्राम अलीपुर, दिल्ली।
(हस्तांतरणकर्ता)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री मती कमलेश गोयल पत्नी सुरेश चन्द गोयल,
निवासी सी-बी-एस/8, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।
(हस्तांतरिणी)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एम्' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्तूबर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-2/
2-81/4205---चूकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट
कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुण्य प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

कृषि भूमि ग्राम अलीपुर, दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--दिनांक : 23-10-1981
मोहर :विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एग-आर-
2/2-81/4206--यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक : 19-10-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री सुरत सिंह सुपुत्र छोटे निवासी ग्राम अलीपुर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मती बृहमों देवी, पत्नी श्री पोख रमल, बी-एस/
8, राणाप्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम अलीपुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-11-1981
मोहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4227---दत्त. मुक्त, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं. सी-100 है, प्लॉट जा फतेह नगर
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नेह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाश नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

(1) श्रीमती रुकमान कौर पत्नी एम. आशा सिंह द्वारा
जी. ए. एस. तुरलोचन लम्बा, सपुत्र एस. राम
सिंह, निवासी सी-5 फतेह नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलजीत कौर पत्नी तरबीर सिंह, निवासी
जी-139 'जी' ब्लॉक हरीनगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. सी-100, फतेह नगर, नई दिल्ली, क्षेत्रफल-200
वर्ग गज, ग्राम-तिहाड़, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टैंड,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन-2/एस-आर-1/2-81/7469---यतः मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या मकान नं. 6203 है, एवं जो कुचा शिवमंडी, गली बताशन, खारी बावली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण मंगलन अनुसूची में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काटने नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री राम किशन सुपुत्र ज्वाला प्रसाद, 1915-16, लाल कूआ, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार और दूसरे सुपुत्र लाला चन्द, गली बताशन, खारीबावली, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 6203, गली बताशन, खारी बावली, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक . 23-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थमैट्ट,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एकवीजीशन-2/एम-आर-2/2-81/4246---यतः मूझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम नांगली, शक्रवती
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिवसी स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री खूब राम और रामदयाल सुपुत्र जय राम, ग्राम-
नांगली, शक्रवती, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री देश राज सिंह सुपुत्र एल. एम. बारू सुपुत्र बारू
सिंह, 34/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-नांगली, शक्रवती, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन राज-2, नई दिल्ली

दिनांक 23-10-1981
सांहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री स्व. राम आर रामदयाल सपूत्र जग राम, ग्राम-
नागली, शक्रवती, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री सरवजीत सिंह सपूत्र देव राज सिंह, सिवासी,
34/42, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि स आ आ /एक्वीजीशन-2/एम-आर-2/2-
81/4249—चिक मै, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-नागली, शक्रवती
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण रालमन अनुसूची
में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिव्यो स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-नागली, शक्रवती, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक 23-10-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981
सर्वर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4252--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या मकान नं. बी-71 और 72 है, एवं जो
फतेह नगर में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री कदरत सिंह सेठी, सपुत्र श्री करतार सिंह सेठी,
ए-15/27, वसंत बिहार, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री तरलोचन सिंह सपुत्र श्री करतार सिंह, 145,
प्रताप नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. बी-71 और 72, फतेह नगर, दिल्ली, नई
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 2 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/2-
81/7391---चूकित मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी संख्या 7823 है, एच जो रोशनारा रोड में स्थित
है, (जिमका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया
गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—336GI/81

(1) श्री प्रताप सिंह मूषत्र गन्धा सिंह, 9/7, साउथ
पटल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दरजीत कौर परनी मंगल सिंह, 7823,
रोशनारा रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्री न 7823, रोशनारा रोड, दिल्ली।

निमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-81/4238—चूंकि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-दिचांव कला, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्विधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री राम सिंह, जाय पाल-मिह और राम पाल सिंह, सुरेश सिंह सपूत्र शंकर, निवासी ग्राम-शाहपुर, जेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह चावला, एच-यू-एफ, सपूत्र नन्द सिंह, सी-4, राजोरी गाड़न, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-दिचांव कला, दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजिशन-2/एस-आर-2/2-
81/4248—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-नांगली, शक्रवती
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वर्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए नय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री खूब राम और रामदयाल सूपत्र जय राम, ग्राम-
नांगली, शक्रवती, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अमृत पाल सिंह सूपत्र देश राज सिंह, 34/42,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देशधारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

शेखीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-नांगली, शक्रवती, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 23-10-1981
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीक्यूशन-2/एम-आर-2/2-81/4237--भूमि, मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-विचांग कला, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप में तय नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्हे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ६--

(1) श्री सिंह राम अयपाल सिंह रामपाल सिंह और सुरेश सिंह सुपुत्र हन्कार, निन्सी ग्राम शाहपुर जेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री किरपाल सिंह चावला, एच-यू-एफ संपन्न श्री प्रताप सिंह चावला, सी-4, राजोरी गाड़न, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-विचांग कला, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री खूब राम और रामदयाल सपूत्र जय राम, ग्राम-नांगली, शक्रवती, दिल्ली।

(अंतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भूपेन्द्र सिंह सपूत्र देश राज, 34/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एक्वीजिशन-2/एस-आर-2/2-81/4247--चूक मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एय जो ग्राम नांगली, शक्रवती में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तार विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है), की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-नांगली, शक्रवती, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981
मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/2-81/7363—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के उचित बाजार मूल्य से अधिक की अपल संपत्ति जिसकी संख्या ए-17 है एवं जो कम्यूनिटी सेंटर, डा. मुकुजी नगर, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (धनकरकों) और अन्तरिती (धनकरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण में इसी किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री चन्दर शेखर, इन्दर कुमार सुशिल कुमार,
ई-ए-196, टंगोर गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री किशनदास, शिव सरण, भोज राज, बलराम धवन, और श्रीमती नविन धवन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. ए-17, कम्यूनिटी सेंटर, डा. मुकुजी नगर,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981
मोहूर

प्ररूप आई. टी: एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-ब. (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-
81/4229—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम नवादा में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भारतु सुपुत्र श्री तीरखा और श्री ओम सोनूप
सुपुत्र श्री चान्दगी, निवासी ग्राम नवादा, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्रीविर सिंह, निवासी
3961 गली अहिरन पहारी धीरज, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बिघे ग्राम नवादा, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ;
अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संवर्ध 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-81/4189—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी संख्या क्वा. नं. 17/135 है एवं जो सूभाष नगर, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण मंलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कम्प्लीमेंटेशन) पर हस्तान्तर्गित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री एस. पी. तलवार, निवासी दुकान नं. 111 के पीछे, शंकर रोड मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश राज सेठी पत्नी श्री जगन नाथ सेठी, निवासी 13 76 सूभाष नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्वार्टर नं. 17/135, सूभाष नगर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजिशन-2/एस-आर-2/2-
81/4203---चूँकि, मैं, विमल वशिष्ठ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन प्रत्येक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी संख्या प्लॉट नं. ए/82 है एवं जो हरी नगर घंटाघर
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

धन: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13--336GI/81

(1) श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री रतन सिंह, सुपूत्री
एस लाभ सिंह, सी-152, हरी नगर, घंटाघर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्य रानी पत्नी तिलक राज छाब्रा,
16/254, नया मोती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, मे
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उक्त प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. ए/182, हरी नगर, घंटाघर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 23-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन,
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एम-आर-
2/2-81/4231—चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वाँ)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री हरी चन्व, अर्जुन महीन्दर सूपूत्र गीयानी, ग्राम-
बुरारी, दिल्ली।
(हस्तांतरणकर्ता);

2. श्री संजीव सिंह सूपूत्र सर पाल सिंह, ए-26, रिग
रोड, नई दिल्ली।
(हस्तांतरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-बुरारी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 23-10-1981

माहूर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन,

इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ /एक्वीजीशन-2/एस-आर-
2/2-81/4191--चूकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जिसकी संख्या ए-163, है एवं जो फतेह नगर, नई दिल्ली में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

को प्रेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे
वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत् में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शान्ति घाई, श्री बी. जी. घाई, डब्ल्यू-जेड-
215-सी., वरीन्दर नगर, नई दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

2. श्री राज कुमार और श्री विजय कुमार सुपुत्र श्री
संगत राम 444, गली राजन कलान, कश्मीरी गेट,
दिल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. ए-163, फतेह नगर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 23-10-1981

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन,
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/2-81/4283—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 11, है एवं जो जीवानी ब्लॉक गंगाराम वाटीका, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. श्री वेद मित्ररा सुपुत्र श्री हन्स राज भाटिया, जे-12, जीवानी ब्लॉक, गंगा राम वाटीका, नई दिल्ली।
(हस्तांतरणकर्ता)
2. श्री सौदागर मल सुपुत्र श्री गुरदीता मल, एस-12, राजारी गार्डन, जनता मार्केट, नई दिल्ली।
(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1-1/2 भाग प्रो. नं. 11, जीवानी ब्लॉक, गंगाराम वाटीका, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 23-10-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन,
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निर्देश सं 3 नि सं आ आ /एक्वीजीशन-2/एस-आर-
2/2-81/4208---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी सख्या कृषि भूमि है एवं जा साहिबाबाद, दौलतपुर, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में, दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पदार्थ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1 श्री भगवान सिंह, राज सिंह प्रताप सिंह और अजीत सिंह सुपुत्र श्री सरूप सिंह निवासी ग्राम-साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली।

(हस्तातरणकर्ता);

2 श्री अबनस्ट करैर भाटिया पत्नी श्री जोगीन्दर सिंह भाटिया, 2718/7, चूना मंडी पहाड़गज, नई दिल्ली।

(हस्तातरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बिघे और 16 बिघे, साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख 23-10-1981
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निर्देश संख्या 3 नि. म. आ. आ. /एक्वीजीशन-2/एस-आर-
2/2-81/4209—चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो सहिवाबाद, दौलतपुर, दिल्ली
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वाँ)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगवान सिंह, राय सिंह, प्रताप सिंह और अजीत
सिंह सुपुत्र श्री स्वरूप सिंह ग्राम-साहिवाबाद, दौलत-
पुर, दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

2. जोगीन्दर कौर भाटिया पत्नी श्री बलबीर सिंह,
2718/7, चूना मंडी, पहाड़गंज, दिल्ली।

(हस्तांतरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बिघे और 17 बिस्व, ग्राम-साहिवाबाद, दौलत-
पुर, दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 23-10-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/
2-81/4230—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-नवादा, में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिनी (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री ओम सरूप, सुपुत्र श्री चन्द्रगी और भानू, सुपुत्र
तीनभा, ग्राम-नवादा, दिल्ली।
(हस्तांतरणकर्ता)

2. कपील कुमार सुपुत्र लक्ष्मण कुमार, 1/9, हिन्वी
पुरा नियर ए/मंडी, दिल्ली।
(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बिघे ग्राम-नवादा, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख : 23-10-1981
माहुर :

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 1981

निर्देश सं. राज./सहा आ. अर्जन 1031—यतः, मुझे,
 एम. एल. चौहान,

निर्देश सं. राज./सहा आ. अर्जन 1031—यतः मुझे,
 पत्रानु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 जिसकी संख्या प्लॉट नं. 18 है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
 (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 24-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
 के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
 बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-
 नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन
 निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. श्री हुजारी मल, पुत्र तेनुराम, मसूरिया, पाल रोड,
 जोधपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रतन कल्ला, पत्नी जगदीश, चोपासनी रोड,
 डालडा भवन, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
 है ।

अनुसूची

प्लॉट नं. 18, बेलवार कालोनी, मसूरिया, जोधपुर उप
 पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 860 दिनांक 24-4-81 पर
 पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम. एल. चौहान
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 24-8-1981
 मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 1981

निर्देश स. राज /सहा. आ. अर्जन/142—यतः. मुझे,
एम. एल. चौहान,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी स आवासीय मकान है तथा जो पाली में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13-2-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चगुण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;1 धनर चन्द पुत्र मिठालाल ओसवाल करणावन, नि.
जालौर वर्तमान निवासी अहमदाबाद ।
(अन्तरक)2 श्री किशोर चन्द पुत्र मिठालाल ओसवाल करणावतनि,
पाली ।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रचोदितकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

प्रनसूची

आवासीय मकान, रामलीला मैदान, पाली, जो उप पंजीयक,
पाली द्वारा क्रम संख्या 2164 दिनांक 13-2-1981 पर पंजी-
बद्धविक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

14-336GI/81

तारीख : 24-8-1981

साह्वर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 1981

निर्देश म. राज./सहा.आ.अर्जन/1043—यतः, मुझे, एम. एल. चौहान, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, जिसकी सं. प्लॉट नं० 11 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिग्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिले में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री गुमानमल मेहता पुत्र श्री जीवराज जी मेहता, सिटी पॉलिस, जोधपुर। (अन्तरक)

2. श्री जिमनाराम पटेल पुत्र नाथाराम पटेल निवासी कवीराज जी की डोली, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11, सैक्शन 4, सैक्टर 1, शास्त्री नगर, जोधपुर पर स्थित मकान जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 967 दिनांक 8-5-1981 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 24-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अगस्त 1981

निर्देश सं. राज./सहा.आ.अर्जन/1044—यतः, मुझे,
एम. एल. चौहान,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लान नं. 11 है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परन्तु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वांछित रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक या हुई किमा आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुमानमल मोहता पुत्र श्री जीवराज जी मोहता सिटी
पुलिस, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री तिलोकराम पटेल पुत्र श्री चिमनराम पटेल,
निवासी ग्राम कवीराज जी की डोली, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लान नं. 11, सेक्टर 4 सेक्टर ए, शास्त्री नगर, जयपुर पर
स्थित भूकान सम्पत्ति जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
966 दिनांक 8-5-1981 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, जयपुर

तारीख : 24-8-1981
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश म. राज.-सहा.आ. अर्जन/1056/-यत., मुम्बे, एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी दकान नं. 24 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नन्दलाल पुत्र श्री रंगाराम, निवासी हनुमानगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री केशवप्रसाद पुत्र गोपीराम निवासी हनुमानगढ़।
(हस्तांतरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 24, ग्रीन मंडी, हनुमानगढ़ की जमीन में हिस्सा जा उप पंजीयक, हनुमानगढ़ द्वारा क्रम संख्या 159 दिनांक 2-2-1981 पर विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख 30-9-1981
मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. राज./सहा.आ. अर्जन/1055—यतः, मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान 24 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्दलाल पुत्र श्री रंगाराम, निवासी हनुमानगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री केशवप्रसाद पुत्र गोपीराम निवासी हनुमानगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्घातकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 24, ग्रीन मंडी, हनुमानगढ़ की जमीन का भाग,
जो उप पंजीयक, हनुमानगढ़ द्वारा क्रम संख्या 115 दिनांक
29-1-1981 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 30-9-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश स. राज./सहा. आ. अर्जन/1056—यतः, मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी म. प्लॉट नं. 153 है तथा जो क़ोटा में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय क़ोटा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
2-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती बृजकान्ती देवी पत्नी श्री बासदेव सहाय
भार्व, निवासी सी-240, दयानन्द मार्ग, तिलक
नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सूरज बाई भर्मपत्नी श्री राधारमण जी राठी,
निवासी कभराज, जिला गुना (मध्यप्रदेश)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का पूर्वी भाग स्थित नं. 153 वल्लभबाड़ी, क़ोटा जो
उप पंजीयक, क़ोटा द्वारा क्र. सं 250 दिनांक 2-2-1981
पर पंजीबद्ध विक्रय में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 30-9-1981
मोहर :

प्रारूप आर्द्द टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. राज./सहा./आ./अर्जन--यतः मूझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रू.
से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 153 है तथा जो कोटा में स्थित
है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
2 फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्निरीती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्निरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

(1) श्री दामदेव सहाय भार्गव पुत्र श्री किशोरीलाल जी
भार्गव, निवासी सी-240, दयानन्द मार्ग, तिलक
नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती केसर बाई पत्नि श्री बकटलाल जी निवासी
कभराज जिना गुना (मध्य प्रदेश)।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पदम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का फर्स्ट फ्लोर स्थित प्लॉट नं. 153 बल्लभवाड़ी,
कोटा जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 252 दिनांक
2-2-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 30-9-81
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. राज./सहा./आ/अर्जन—यतः मुझे,

एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
और जिसकी स. प्लॉट नं. 153 है तथा जो कोटा में स्थित
है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
2 फरवरी, 1981

को, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मत्स्यप्रकाश भार्गव आत्मज श्री बामदेव सहाय
भार्गव निवासी 247 दयानन्द मार्ग, तिलक नगर,
जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता पतिन श्री गोपालदास जी निवासी
कूमराज जिला गुना (मध्य प्रदेश) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का भाग स्थित प्लॉट नं. 153 बल्लभ बाड़ी कोटा जो
उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 251 दिनांक 2-2-81 पर
पंजीवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 30-9-81
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

(1) श्री बाबू राम जैन पुत्र मंगलराय जैन निवासी ओल्ड स्टेशन रोड, अलवर ।

(अन्तरक)

(2) श्री केमरी चन्द्र पुत्र सूरज मल 1340 किशनपोल बाजार, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि अब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

निर्देश सं. राज/सहा./आ./अर्जन--यतः मुझे, एम. एल. चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. एफ-72 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख 25 अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरणा लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

14-336GI/81

अनुसूची

प्लॉट नं. एफ-72, पूर्वी भाग, सुभाष मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 982 दिनांक 25-4-81 पर परिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है ।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 30-9-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए एस आर/81-82/234--यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दुकानें हैं तथा जो बाजार राय बाग, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार जें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रणजीत मोहन पुत्र श्री मधुरा दाम वासी कूचा तिवारियां, मकान नं. 3669/11, अमृतसर। अब सैक्टर 23-डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुला उर्फ मीना पुत्री हंस राज पत्नी केवल कृष्ण वासी कूचा तिवारियां, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(2) जैसा कि ऊपर सं. 2 यदि और कोई व्यक्ति किराए-दार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो दुकानें नं. 28/1, 28/4 जो बाजार राम बाग स्कीम, अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3463/1 दिनांक 19-2-81 रजिस्ट्रिंग अथारटी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 3-चन्द्रपूरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 30-9-81

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर. /81-82/233—यतः मूझे,
आनन्द सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी में बाजार गंडावाला, अमृतसर में स्थित एक दुकान
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास,
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सतनाम सिंह पुत्र सोहन सिंह वासी बाजार बाग
भण्डा सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलवीप कौर पति जीत सिंह, वासी कटड़ा
मीत सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं. 2 और किराएदार यवि
कोई है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बाजार गंडा वाला में स्थित एक 2 1/2 मंजिला दुकान जैसा
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय के सेल डीड
नं. 3552/1, दिनांक 3-2-81 में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 30-9-81
मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 अक्टूबर 1981

निवेदन स. राज./सहा.आ.अर्जन/1096—यत मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 274 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख
6 फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मातृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती बन्नी बिभवा श्री कल्लाराम चाँधरी, प्लॉट
नं. 274 सैक्टर ए, मसूरिया जोधपुर IV (अन्तरक)

(2) श्री स्वरूप मंसाली पुत्र कन्दनराज मंसाली, नि.
मरदारपुरा वर्तमान निवासी उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

आवासीय एक मंजिला मकान, प्लॉट नं. 274 सैक्टर ए
मसूरिया, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या
197 दिनांक 6-2-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

दिनांक : 21-10-81
माँहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए एस आर/81-82/235—यतः मूझे,
आनन्द सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी में एक भूमि का टुकड़ा कनेडी एवन्यू, अमृतसर
में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय प्रायः पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) चैयरमैन, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री दियाल सिंह पुत्र हरनाम सिंह, राही मुखतार
आम, श्री हरनाम सिंह, पुत्र जोध सिंह, वासी 24-
कनेडी एवन्यू, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं. 2 और किराएदार यदि
कोई हो ।

वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) और कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1030 वर्ग मीटर भूमि का एक टुकड़ा कनेडी एवन्यू में स्थित
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय के रोल
डीड नं. 3427/1 दिनांक 12-2-81 में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 30-9-81

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

निदेश सं. ए एस आर/81-82/236—यतः मुझे,
आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्रापट्री किला भंगीआ में है जो अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बिअंत कौर पत्नी कुलवन्त सिंह, कुलवन्त
सिंह पुत्र गुरबचन सिंह, वासी 31-क्रास रोड,
बम्बे (बम्बई)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रोमिला पत्नी बिहारी लाल, वासी गली
ठाकुरद्वारा किला भंगीआ, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं. नं. 2 और किराएदार यदि
कोई हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवर्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्रापट्री नं. 1699/VIII -16 जो कि नवां वेहड़ा,
कुबी बेरी किला भंगीआ अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं.
3442 दिनांक 16-2-81 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में
दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 3-बन्धूपरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 3 10 81

सील :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. ए एस आर/81-82/237—यतः मुझे,
आनन्द सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं. एक प्रापिटों जिला भंगीआ में है जो अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि ध्यापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

(1) श्रीमती नरिन्द्र कौर उर्फ जानकी पत्नी भगत सिंह
वासी ठलेही, कलकत्ता सिंह पुत्र गुरुचन सिंह
वासी 31-फ़ास राड बम्बे (बम्बई)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीलावती पत्नी भगवान दास और श्रीमती
राज कमारी पत्नी संत पाल वासी कूचा ठाकुरद्वारा
किला भंगीआ, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं. 2 और किराएदार यदि
कोई हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक प्रापिट नं. 1699/ VIII -16 जो कि नवा बहेड़ा,
कबी बरी किला भंगीआ अमृतसर ने जैसा कि सेल डीड नं.
3443 दिनांक 16-2-81 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में
वर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख : 3-10-1981
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई. ए. इनकमटैक्स एक्जीजीशन

वृन्दावन, गंगानगर, यूनीट-6

भुवनेश्वर, दिनांक 23 अगस्त 1981

निर्देश सं. 1/81-82/आई. ए. सि. (ए)/आर/भुवनेश्वर
—अतः, मुझे, पी. के. मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. 1038 है, जो मो. तरला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कटक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से रु०
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री परमानन्द राहत पिता-वृन्दावन राहत।

(अन्तरक)

(2) ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन अब इण्डिया लि. बांच
ऑफिस भोला माहि कटक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताजरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही धर्म होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मैंने तरला, थाना दान्गा जमिन एरिया ए 1-86 जि. कटक।

पि. के. मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, भुवनेश्वर

तारीख : 13-8-81

मोहर :-

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

The 30th October 1981

New Delhi, the 23rd September 1981

No. A. 32013/1/81-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of CSS to officiate as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission on an ad hoc basis for the period shown against each:—

Sl. No.	Name	Period
S/Shri		
1.	Y. R. Gandhi	w.e.f. 26-5-81 to 25-8-81
2.	Vaid Parkash	w.e.f. 26-5-81 to 31-7-81
3.	B. K. Bhattacharya	w.e.f. 16-6-81 to 15-9-81
4.	S. K. Mishra	w.e.f. 29-6-81 to 28-9-81

H. C. JATAV,
Joint Secy.

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 29th October 1981

CORRIGENDUM

No. A.35018/15/79-Ad.I.—In the Notification of even number dated 18th July 1981 the word 'forenoon' indicated in the sixth line may please be read as 'afternoon'.

The 29th October, 1981

No. P. VII-5/81-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion the following Medical Officers (GDO, Gd-II, Dy. SP/ Coy. Comdr.) as G.D.O. Gd-I (Assistant Comdt.) in the CRPF until further orders. Their postings and the dates of handing/taking over charge are noted against each:—

Sl. No.	Name	Rank and unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank and unit of taking over charge	Date of taking over charge
1.	Dr. K.D. Sarangi	GDO; Gd. II BH. II Hyd.	22-8-81 (AN)	GDO; Gd-I BH. II Hyd	22-8-81 (AN)
2.	Dr. S.N. Das	GDO, Gd. II 7th Bn.	12-9-81 (AN)	GDO, Gd. I GC-Gty.	17-9-81 (FN)
3.	Dr. P.C. Sahu	GDO, Gd. II 62 Bn.	28-8-81 (FN)	GDO, Gd-I GC-DPR.	29-8-81 (AN)
4.	Dr. S.R. Das	GDO, Gd-II BH-I New Delhi	3-9-81 (AN)	GDO; Gd-I GC-BTB (Jammu)	7-9-81 (FN)
5.	Dr. P.C. Dhir Samanta.	GDO; Gd. II 22 Bn.	7-9-81 (FN)	GDO; Gd-I GC-PR.	22-9-81 (FN)
6.	Dr. K.C. Parida	GDO; Gd. II GC-HMH	24-8-81 (FN)	GDO; Gd-I GC-HMH	24-8-81 (FN)

2. The promotion of Doctors P.C. Dhir Samanta and K.C. Parida is on temporary basis against leave vacancies.

The 31st October 1981

No. O.II-1605/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Binode Kumar Gogai as General Duty Officer Grade II (Dy.SP/Coy Comdr.) in the CRPF in a temporary capacity with effect from forenoon of 1st October 1981 subject to his being medically fit.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 31st October 1981

No. 10/20/79-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Dr. S. Boopathy, a Senior Technical Assistant (Language) in the office of the Registrar General, India (Language Division), Calcutta, as Linguist in the same office, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from 16—336GI/81

No. A-19021/8/81-AD.V.—The President is pleased to appoint Smt. Kanchan C. Bhattacharya, IPS (UP-1973) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 12th October 1981.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)

New Delhi-110022, the 24th October 1981

No. F.2/6/81-Estt-CRPF.—The President is pleased to appoint Shri P. V. Subba Rao, Commandant Group Centre, Gandhi Nagar as Commandant 68 Bn CRPF w.e.f. 1-10-80 to 31-1-81 and from 1-3-81 to 22-3-81 in addition to his own duties as Commandant Group Centre, CRPF, Gandhi Nagar.

No. F.2/6/81-Estt-CRPF.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Singh, Commandant, Group Centre, CRPF, Neemuch as Commandant 65th Bn CRPF w.e.f. 1st October 1980 to 20th March 1981, in addition to his own duties as Commandant Group Centre, CRPF, Neemuch.

No. O.II-1578/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Surender Singh as Junior Medical Officer in the CRP Force on *ad-hoc* basis with effect from 1-9-81 (AN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

the afternoon of the 26th September 1981, until further orders.

2. The headquarters of Dr. Boopathy will be at Calcutta.

No. 11/75/79-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 26th November 1980, the President is pleased to appoint Shri S. K. Gandhe, an officer belonging to Grade II of the I.E.S., as Director of Census Operations for two Union Territories of Goa, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli, on *ad-hoc* basis, for a further period upto the 28th February 1982 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarter of Shri Gandhe will be at Panaji.

No. 11/2/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Sinha, an Officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna by transfer on deputation on *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 9th September

1981 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Sinha will be at Bhagalpur.

No. 11/32/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion Shri R. S. Pandey, Investigator in the office of the Director of Census Operation Uttar Pradesh, Lucknow, as Assistant Director of Census Operation (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 7th September 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next-higher grade. The above mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any

time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

3. The headquarter of Shri Pandey will be at Lucknow.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

SARDAR VALJABHBHAI PATEJ

NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 12th October 1981

No. 15011/3/79-Estt.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Anil Kumar Saxena, is appointed as Reader in Teaching Methodology (Group 'B'—Gazetted post) in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad in a temporary capacity, in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 and other allowances, as admissible under the Central Government rules, with effect from 11th September 1981 F.N. and until further orders.

B. K. ROY,
Director

INDIA AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 26th October 1981

No. CA. I/106-81—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Comm'l) has been pleased to promote the following Section Officers (C) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of SO(C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as AO(C)	Date of promotion as AO(C)
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	Rajinder Kumar	C.A.G. of India, New Delhi.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Dehradun.	29-7-81
2.	Gourangalal Mukherjee	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial (Coal), Calcutta	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit (Coal) Calcutta	8-7-81
3.	Niranjan Chakraborty	Do.	Accountant General II, West Bengal, Calcutta.	9-7-81
4.	Surya Kant Sadavarti	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Dehradun.	Member, Audit Board & Ex-officio Director of Commercial Audit, Ranchi.	29-7-81
5.	T.K. Chellappa	Accountant General (C) Tamil Nadu, Madras.	Accountant General, Karnataka, Bangalore.	23-7-81
6.	Jagdish Prasad Gupta	Accountant General, Rajasthan, Jaipur	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bombay	24-8-81
7.	Yogesh Kumar Aggarwal	Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Ranchi.	31-7-81
8.	Kailash Chandra Gupta	Accountant General* Rajasthan, Jaipur	Member, Audit Board & Ex Officio Director of Commercial Audit, Bombay.	24-8-81

M.A. SOMESWARA RAO, Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 22nd October 1981

No. OE.I/PF-PDA/284.—Shri P. D. Ahuja (01/0139) Permanent Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, M.P. will retire from Government service with effect from 31st October 1981 afternoon on attaining the age of Superannuation.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 30th October 1981

No. Admn. I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri S. Madhava Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri V. Lakshmi Narayana Prabhu a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri M. Gopala Raju a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th September 1981 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri K. Vittal a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date of Proforma Promotion which is to be fixed until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri C. Badananda Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri V. Rama Swamy a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12th October 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri M. A. Zuberi a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri D. Prasada Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—100—EB—40—1200 with effect from 30th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri K. Veerabhadraiah a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to

officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri K. R. K. Sarma a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri M. Srirama Sarma a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/313.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri D. V. Ramakoteswara Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30th September 1981 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

R HARIHARAN

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT POSTS AND TELEGRAPHS

Delhi-110054, the 26th September 1981

No. Admn.III-351/23(A)(2).—The Director of Audit Posts & Telegraphs has been pleased to promote and appoint Shri T. S. Srinivasan, Section Officer of Hyderabad Branch Audit Office as officiating Audit Officer and to post him as Resident Audit Officer, G.M.T., Kanpur under the administrative control of Dy Director of Audit, P&T Audit Office, Lucknow with effect from 12th August 1981 forenoon until further orders.

The promotion is on *ad hoc* basis and is subject to revision.

K. K. THAPAR

Asstt Director of Audit (H. Qrs.)

SOUTH EASTERN RAILWAY OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

Calcutta-700043, the 30th October 1981

No. Admn./33-2A/75/75/3133.—Shri Bani Kantha Mistri, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the Office of the Director of Audit, South Eastern Railway, Calcutta has been promoted to officiate as Audit Officer from forenoon of the 3rd October 1981 until further orders.

Sd. ILLEGIBLE

Director of Audit

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 26th October 1981

No. AN-II/2603/81-I—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each: —

Sl. No.	Name	Organisation where serving	Date of effect
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	T.K. Mahalingam	Controller General of Defence Accounts, New Delhi.	1-1-80
2.	Brj Raj Sehgal	Controller of Accounts (Factories) Calcutta	1-4-81
3.	Shiv Charan Singh	ORs (North) Meerut	1-1-80
4.	Manohar Lal Verma	Central Command, Meerut	1-4-81
5.	Ram Chand Malhotra	ORs (North) Meerut	"
6.	J. P. Kaushik	Central Command, Meerut	"
7.	Surinder Nath Sharma	Northern Command, Jammu	"
8.	B.P. Bhattacharyya	Factories, Calcutta	"
9.	Rajendra Singh	Western Command, Meerut	"
10.	L.K. Godbole	Officers, Pune	"
11.	M. Niaz Ahmed	ORs (South) Madras	"
12.	G. Kalyana Sundaram	Do.	"
13.	L.V. Verghese	Air Force, Dehradun	"
14.	Amrit Lal Malhotra	Western Command, Meerut	"
15.	Omp Prakash Kapoor	Northern Command, Jammu	"
16.	V. Ramachandran-III	ORs (South) Madras	"
17.	Padam Sain	Air force, Dehradun	"
18.	Anand Wardhan Oberoi	Central Command, Meerut	"
19.	A.S. Nagarjan	ORs (South) Madras	"
20.	B.K. Chatterjee	Factories, Calcutta	"
21.	Krishan Lal Bhandari	Central Command, Meerut	"
22.	T.V. Radhakrishnan	ORs (North) Meerut	"
23.	Iqbal Rai Jaidka	Central Command, Meerut	"
24.	V.S. Kulkarni	Southern Command, Poona.	"
25.	R.K. Tiwari	Patna	"
26.	T. Sundararaman	Navy Accounts, Bombay	"
27.	Dasarajm Gorawara	Pensions, Allahabad	"
28.	M. Veeraraghavalu	ORs (North) Meerut	"
29.	Shamlal Narang	Factories, Calcutta	"
30.	Ram Prakash	Pensions, Allahabad	"
31.	A.P. Hemachandran	Factories, Calcutta	"
32.	K.V. Mali	Navy Accounts, Bombay	"
33.	Mohan Chandra Bhat	Patna	"
34.	Yograj Oberoi	Central Command, Meerut	"
35.	Raj Kumar Sud	Western Command, Meerut	"
36.	R. Krishnan	Factories, Calcutta	"
37.	R.B. Kulkarni	Officers, Poona	"
38.	Suraj Prakash Anand	Western Command, Meerut	"
39.	U.B. Khattar	ORs (North) Meerut	"
40.	V.M. Pandav	Southern Command, Poona	"
41.	Kulwant Singh Bakshi	Air Force, Dehradun	"
42.	L.R. Rajamani	Do	"
43.	Naresh Prasad Jain	Funds Meerut	"
44.	P.K. Mohandas	Navy Accounts Bombay	"
45.	A. Nartiyana Char	Southern Command Poona	"
46.	Tek Chand Dewai	Northern Command Jammu	"
47.	M.K. Wokhulu	ORs (North) Meerut	"
48.	Anoop Singh Verma	Factories, Calcutta	"
49.	V.K. Ramapriyan	Southern Command, Poona	"
50.	M. L. Dhingra	Air Force, Dehradun	"
51.	Dandaram Sethi	Western Command, Meerut	"
52.	Dev Sarup Sethi	Navy Accounts, Bombay	"
53.	R.S. Vohra	Western Command, Meerut	"
54.	K.A. Kumara Swamy	Southern Command, Poona	"
55.	Oin Kumar	ORs (Northern) Meerut	"
56.	Shivnath Rai Sharma	Do.	"

1	2	3	4	5
	S/Shri			
57.	Raj Kumar Sharma	ORs (Northern) Meerut		1-4-81
58.	R. Sankaranarayanan	Air Force, Dehradun		,
59.	R. Srinivasan	Southern Command, Poona		"
60.	Vishwanath	Pensions Allahabad		"
61.	Raghubir Singh	Patna		"
62.	T.S. Narayanan	Factories, Calcutta		"
63.	V.N. Jayaraman	Officers, Poona		"
64.	A.K. Dutta	Pensions, Allahabad.		"
65.	Goverdhan Lal Bali	Western Command, Meerut		"
66.	K. Seshadri	ORs (South) Madras		"
67.	N.R. Nimkar	Officers, Poona		"
68.	Sohan Lal Vig	Northern Command, Jammu		"
69.	Naval Kishore Agarwal	Central Command Meerut		"
70.	Biswanath Banerjee	Factories Calcutta		"
71.	R. Santhanakrishnan	Patna		"
72.	T. Vithal Rao	ORs (South), Madras		"
73.	Dharamendra Singh Garg	ORs (North), Meerut		"
74.	Sohan Lal Nanda	Western Command, Meerut		"
75.	M. Ramakrishna	ORs (South) Madras		"
76.	Avinash Chand Khanna	Northern Command, Jammu		"
77.	A. Srinivasan	Officers, Poona		"
78.	Sukumar Ganguli	ORs (North) Meerut		"
79.	T. Venkatachalapathi	Factories, Calcutta		"
80.	Mohan Lal Angra	Air Force, Dehradun		"
81.	A. Gnanadesikan	Southern Command, Poona		"
82.	K.V. Krishnamurthy	Do.		"
83.	Chaman Lal	Western Command, Meerut		"
84.	K. L. Bhardwaj	ORs (North) Meerut		"
85.	G. Ramamurty	Officer, Poona		"
86.	Manohar Singh	ORs (North) Meerut		"
87.	D.C. Mukherjee	Patna		"
88.	M. Venkataraman	Do.		"
89.	P.N.S. Raghavan	ORs (South) Madras		"
90.	Sukh Dayal Grover	Central Command Meerut		"
91.	Hardev Singh	Pensions, Allahabad		"
92.	Mohan Lal Behl	Western Command, Meerut		"
93.	Ajit Kumar Roy	Factories, Calcutta		"
94.	M.C. Sarbagga	Do.		"
95.	K.D. Sahay	Patna		"
96.	Shiv Charan Lal Segan	Air Force Dehradun		"
97.	Paras Ram Latta	ORs (North) Meerut		"
98.	G.E. Krishnamurthy	ORs (South) Madras		"
99.	Kailash Chandra Gupta	Pensions, Allahabad		"
100.	Sri Ram Katyal	Factories, Calcutta		"
101.	M.S. Prabhu	Southern Command, Poona		"
102.	Vidya Sagar	Factories Calcutta		"
103.	Bansraj Jain	ORs (North) Meerut		"
104.	Vishnu Kumar Srivastava	Factories, Calcutta		"
105.	Azmatullah Khan	Patna		"
106.	M.N. Venkatesan	Navy Accounts, Bombay		"
107.	A.R. Lazarado	Factories, Calcutta		"
108.	T.K. Rajappan Nair	Officers, Poona		"
109.	K. Sarangaratinam	ORs (South) Madras		"
110.	Laxmi Narain Singh	ORs (North) Meerut		"
111.	Sada Sukh Verma	Pensions, Allahabad		"
112.	N. Govinda Rao	Factories, Calcutta.		"
113.	T.R. Sampath	Officers, Poona		"
114.	M.S. Viswanathan	Factories, Poona		"
115.	Sushil Kumar	Patna		"
116.	Jaswant Rai	Northern Command, Jammu		"
117.	M. P. Gupta	ORs (North) Meerut		"
118.	A.K. Chakraborty	Patna		"
119.	J.K. Sharma	Air Force Dehradun		"

1	2	3	4
	S/Shri		
120.	Shanti Kumar Jain	ORs (North) Meerut	1-4-'81
121.	Gorla Arjun	Navy Accounts, Bombay	"
122.	H. K. Prahalada Rao	Southern Command, Poone	"
123.	Sohan Lal Kumar	Patna	"
124.	Sat Pal Sethi	Pensions, Allahabad	"
125.	Ramnath	Factories, Calcutta	"
126.	Shri Krishan Kumar Goel	Factories, Calcutta	"

A. K. GHOSH
Dy. Controller of Defence Accounts (Proj.)

MINISTRY OF COMMERCE
(DEPARTMENT OF TEXTILES)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 24th September 1981

No. A-32013/9/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 25th February, 1981 and until further orders Shri Prabir Das Gupta, permanent Art Designer as Assistant Director Grade-I (Designs) in the Weavers Service Centre under this organisation.

The 14th October 1981

No. A-32013/8/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 24th August 1981 and until further orders Shri S. K. Sarkar, Technical Superintendent as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Meerut.

P. SHANKAR
Additional Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS
& FATS

New Delhi-110019, the 31st October 1981

No. A-12011/5/78-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated the 11th February 1981, Shri A. K. Bhardwaj, officiating Chemist in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats is allowed to continue in the post of Inspector (Vanaspati), Ahmedabad in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on purely temporary and *ad hoc* basis with effect from 3rd July 1981 to 27th December, 1981 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

P. S. CHEEMA, Chief Director

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 24th October 1981

No. A-1/1(1182)/81.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri K. M. Rajan, J.F.O. to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 19-10-81 and until further orders.

2. The *ad-hoc* appointment of Shri K. M. Rajan as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him a claim for regular appointment and that *ad-hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

The 29th October 1981

No. A-1/1(1180)/81.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri M. S. Murthy, Superintendent in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate on Local and *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same office with effect from the afternoon of 5th September, 1981 and until further orders.

2. The *ad-hoc* appointment of Shri Murthy as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him any claim for regular appointment and that *ad-hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 4th September 1981

No. 5506B/A-32013(AO)/78/19A.—Shri Jameel Ahmed, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 26-6-1981 against the leave vacancy of Shri K. Rangachari, Administrative Officer, Southern Region, Hyderabad, Geological Survey of India.

The 29th October 1981

No. 6952B/A-19012(2-SSY)/81-19B.—The following Senior Technical Assistants (Geophy.), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geophy., in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-in officiating capacities w. e. f. the forenoon 25-7-81, until further orders.

1. Shri Shiv Shankar Yadav.
2. Shri Rajeshwar Nath Kapoor,
3. Shri Sheo Ram Prasad.

V. S. KRISHNASWAMY, Dir. General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th October 1981

No. A-19011(46)/70-Estt.A.—On the expiry of the deputation as Mineral Exploitation Adviser to the Government of Afghanistan, Shri T. K. Basu, has reverted back to the Indian Bureau of Mines and assumed charge of the post of Deputy Controller of Mines with effect from the forenoon of 17-12-80.

No. A.19011(34). Estt.A/75.—Consequent to the acceptance of retirement on superannuation from the afternoon of 31st, August, 1981 by the Ministry vide letter No. A.44018/138/80-MVI, dated 15-9-81 in respect of Shri B. J. Kondkar, Mineral Economist (Stat.) in Indian Bureau of Mines a confirmed grade III ISS officer, his name is struck off from the strength of this department with effect from 31-8-1981 (AN).

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st October 1981

No. A-32013/1/80-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. P. Singh, Senior Administrative Officer, Upgrah Doordarshan Kendra, New Delhi to officiate in an ad-hoc capacity in the post of Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi from the forenoon of September 29, 1981.

The 22nd October 1981

No. 2/5/68-SII (Vol. II).—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. D. Achari, Accountant, Central Sales Union, Bombay, All India Radio, to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Panaji with effect from 7-10-81 (FN) until further orders.

The 30th October 1981

No. 3/32/69-SII.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri R. Loganandan, Administrative Officer, All India Radio, Avadi-Madras to officiate as Senior Administrative Officer, Doordarshan Kendra, Lucknow with effect from 30-9-81

H. N. BISWAS,
Dy. Dir. Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 24th October 1981

No. A.12025/2/80-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri A. Madurai Muthu as Senior Artist in a temporary capacity with effect from the forenoon of 19th October, 1981, until further orders.

J. R. LIKHI,
Dy. Dir. (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th October 1981

No. A.12025/8/77(JIP)/Admn.I.—On attaining the age of superannuation Dr. R. Rajan relinquished charge of the post of Assistant Professor of Biochemistry in the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, on the afternoon of the 31st August, 1981.

No. A.12025/16/80(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Srivastava to the post of Assistant Secretary (Indian Pharmacopoeia Committee) Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12th October, 1981 until further orders.

2. Consequent upon appointment of Shri A. K. Srivastava as Assistant Secretary (I.P.C.), Shri P. K. Guha stands reverted as Assistant Depot Manager, Medical Stores Depot, Madras with effect from the 6th October, 1981 (afternoon).

S. L. KUTHIALA,
Dy. Dir. Admn. (O & M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th October 1981

No. A-19023/13/78-A. III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Sr. Marketing Officer (Group II) in this Directorate, Shri Jaman Lal handed over charge of the post of Marketing Officer (Group II) at Jamnagar in the afternoon of 23-9-1981.

No. A-19023/6/81-A. III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group B), Shri R. K. Vyaghra who has been officiating as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nasik Road on *ad hoc* basis w.e.f. 28-2-1981

(F.N.) is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) on regular basis w.e.f. 26-9-1981 at the same station until further orders.

The 30th October 1981

No. A-35014/2/78-A. III.—The deputation of Shri R. Subramanyam, Marketing Officer of this Directorate with A & N Admn., in the Directorate of Agriculture, Port Blair, is extended for one year w.e.f. 18-9-1981 on the existing terms and conditions of deputation.

The 31st October 1981

No. A-19025/53/81-A. III.—The under mentioned persons have been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officers (Group I) in this Directorate w.e.f. the date shown against each:—

1. Shri Viveka Gayasen—28-9-1981 (F.N.)
2. Shri Ghulam Mohammad Rabbani—30-9-1981 (F.N.)
3. Shri Lokesh Kumar—30-9-1981 (F.N.)
4. Shri Dina Nath Srivastava—1-10-1981 (F.N.)
5. Shri Ashok Kumar Garg—1-10-1981 (F.N.)

The 2nd November 1981

No. A-19023/13/81-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri M. Kuralnathan, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Abohar w.e.f. 3-10-1981 (F.N.), until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Kuralnathan relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Faridabad in the afternoon of 1-10-1981.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 15th October 1981

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Abdul Karim Mohiuddin Naik, Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an *ad hoc* basis for the period from 17-8-81 to 3-10-81 (AN).

The 17th October 1981

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Vitthal Ramchandra Shirole, Assistant Security Officer (SG) to officiate as Security Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an *ad hoc* basis for the period from 4-9-81 to 7-10-81 (AN).

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 29th October 1981

No. AMD-8/1/81-Rectt.—Director Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri I. K. Sharma, Permanent Upper Division Clerk and Offg. Accountant in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division with effect from 22-8-1981 to 24-11-1981 *vice* Shri D. S. Israni, Assistant Accounts Officer, promoted as Accounts Officer-II.

No. AMD-8/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri D. S. Israni, Permanent Accountant and Officiating Assistant Accounts Officer in the Atomic Minerals Division to officiate as Accounts Officer-II in the same Division with effect from 22-8-1981 to 24-11-1981 *vice* Shri K. P. Sekharian, Accounts Officer-II promoted as Accounts Officer-III.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 29th October 1981

No. 3/2/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint Shri A. S. R. Nair, an officiating Assistant Administrative Officer as Assistant Administrative Officer in a substantive capacity in the Civil Engineering Division of the Department of Space with effect from the forenoon of June 30, 1977.

MPR PANICKER
Administrative Officer-II
for Chief Engineer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 30th October 1981

No. E(I)00674.—Dr. A. S. Ramanathan, Deputy Director General of Meteorology (Hydrometeorology) Headquarters Office of the Director General of Meteorology, New Delhi, India Meteorological Department, retired voluntarily from the Government service with effect from the forenoon of 1-10-1981.

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

New Delhi-3, the 26th October 1981

No. A. 31013(iv)/1/78-F.I.—The President is pleased to appoint Shri A. S. Varma in a substantive capacity as Hindi Officer in the India Meteorological Department with effect from 1-3-1978

2. Shri Varma is at present on deputation to the Post & Telegraph Directorate as Senior Hindi Officer.

S. K. DAS
Addl. Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 22nd October 1981

No. A-38013/1/81-EA.—Shri Sotanter Lal Aerodrome Officer Office of the Regional Director, Bombay retired from Government services on the 30-9-1981 on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration
For Director General of Civil Aviation

The 24th September 1981

No. A. 32014/1/80-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the date mentioned against each name or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at Delhi Airport, Delhi.

No.	Name	Date
1. Shri K. N. Mehta		20-8-81
2. Shri Balwant Rai		20-8-81

New Delhi, the 17th October 1981

No. A-19011/38/80-E.I.—The President is pleased to retire Sh. B. S. Rao DY. Director (Flight Crew Standard) in the Office of the Director General of Civil Aviation with effect from 30-9-81 (A.N.) under F.R. 56 (K)

The 20th October 1981

No. A.32013/3/76-EA.—The President has been pleased to grant notional promotion to Shri A. K. Sinha, to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department with effect from 27-2-1977 and until orders.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 26th October 1981

No. A. 38015/12/81-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to permit Shri Prem Kumar, Assistant Tech. Officer, Office of Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi to retire from Govt. service w.e.f. 20-9-81 (AN) under the Rule 48(A) of the CCS (Pension) Rules, 1972.

PRF. CHAND
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 28th October 1981

No. A.32013/2/79-EW.—The President is pleased to appoint Shri N. Gopal, Assistant Director of Equipment (officiating as Deputy Director of Equipment on ad-hoc basis) to the grade of Deputy Director of Equipment in the Scale of pay of Rs. 1500—60—1800 with effect from 28th August, 1981 (FN), on a regular basis and until further orders.

2. Shri N. Gopal is posted at Director General of Civil Aviation, Headquarters, New Delhi.

The 31st October 1981

No. A.32013/4/81-EW.—The President is pleased to appoint Shri L. C. Gupta, Electrical & Mechanical Officer to the grade of Assistant Director of Equipment in the pay scale of Rs. 1100—50—1600 in the Civil Aviation Department with effect from 26-9-1981 (Forenoon) on an ad-hoc basis for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

2. Shri L. C. Gupta is posted at office of the Regional Director, Bombay.

E. L. TRESSLOR,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 30th October 1981

No. A.12025/1/79-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Mangi Lal, as Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department in the scale of Rs. 700—1300 in an officiating capacity with effect from 12-10-1981 & until further orders.

The 31st October 1981

No. A.12025/8/77-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Ghanshyam Das as Air Safety Officer (Engg) in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 29th September, 1981 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

No. A.38015/2/80-ES.—Shri N. S. Baxi, Store Officer (Group 'B' post) in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th September, 1981, on attaining the age of superannuation.

No. A.32014/3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad-hoc appointment of Shri R. G. Shinde, Superintendent, as Administrative Officer upto 31-3-1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier, on usual terms and conditions.

J. C. GARG,
Assistant Director of Administration

MINISTRY OF ENERGY
(DEPARTMENT OF COAL)

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 28th October 1981

No. P.8(25)/67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(a) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints S/Shri O. Mahcepathi, Adviser (P&IR) Coal India Ltd., Calcutta and V. Manohar,

Director (P) Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad as members of the Finance Sub-Committee constituted in the Notification No. P.8(25)/67 dated 23-12-1975 and subsequently amended vide notification dated 14-4-1981 *vice* Shri S. Roy, Chief Controller of Accounts, Eastern Coalfield Ltd. Disergarh resigned and Shri S. K. Choudhury, General Manager (P) Bharat Coking Coal Ltd. Dhanbad and makes the following amendment in the said notification viz :—

For the entry *Sl. Nos. 2 & 3 Shri S. Roy, Chief Controller of Accounts, Eastern Coalfields Ltd., Disergarh and Shri S. K. Choudhury (P) Bharat Coking Coal Ltd. Dhanbad" the entry "Sl. Nos. 2 & 3 Shri O. Maheepathi, Adviser (P&IR) Coal-India Ltd. Calcutta and Shri V. Manohar, Director (P) Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad shall be substituted.

D. PANDA,
Commissioner

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 21st October, 1981

No. A-19012/963/81-E.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and adhoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

S. No.	Name of officer with designation	Date of assumption of charges as E.A.D./A.E.	Where posted
S/Shri			
1.	S.P. Garg, Design Assistant	10-7-81 (FN)	P&P Dte.
2.	S.R. Sarkar, Supervisor	9-9-81 (FN)	H.C.D. II Dte.
3.	S.K. Mukherjee, Supervisor	21-9-81 (FN)	E.P.D.D.-I directorate

The 26th October 1981

No. A-19012/933/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri K. N. Roy, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 29th September, 1981.

No. A-19012/953/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. B. Dey, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 12th October, 1981.

No. A-19012/960/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Dhananjay Datta, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 1st October, 1981.

The 29th October 1981

No. A19012/897/81-Estt.V.—Chairman, CWC hereby appoints Shri A. K. Chakraborty, Supervisor to officiate in the 17—336GI/81

grade of E.A.D./A.E. (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 17-3-81.

No. A-19012/962/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri M. M. Sen Sarma, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 26th September, 1981.

No. A-19012/979/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri P. P. Abdurahiman, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 16th October, 1981.

A. BHATTACHARYA,
Under Secy.,
Central Water Commission

MINISTRY OF RAILWAYS RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS ORGANISATION

Lucknow, the 23rd October 1981

No. A/EP-1648.—The resignation of Sh. I. C. Kakkar, ex. SO/EIV who held lien on the post of Stenographer Gr. II of Research Designs and Standards Organisation (Ministry of Railways), Lucknow, has been accepted wef 1-9-81 (FN).

L. F. X. FREITAS,
Director General

OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES TAMIL- NADU, MADRAS

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Ponmudi Transports Private Limited.*

Madras-600 006, the 6th November 1969

No. 4915/69.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that the name of Ponmudi Transports Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

Sd. J. LEGIBLE,
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Ganga Films Private Limited.*

Madras, the 10th August 1973

No. DN/831/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Ganga Films Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Nobel Sheet Metal & Fabricators Private Limited.*

Bombay, the 2nd November 1981

No. 17416/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Ms. Nobel Sheet Metal & Fabricators Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

FORM TTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 16th October, 1981

Ref. No. L. C. 540/81-82—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule and situated at Thiruvamkulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tripunithura on 16-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nandakumar and Sobhana,
Thuruthimana Parambu,
Irumpanam
(Transferor)
- (2) Sh. V. T. Joseph,
C/o Veeteejay Exports (P) Ltd.,
CC Xviii/014, Cochin-15.
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.48446 acres of land in Sy. No. 316/1, 317 & 315/3 of Thiruvamkulam village as per schedule attached to document No. 651/81.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 16th October, 1981

Ref. No. L. C. 541/81-82—Whereas, I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Thiruvankulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tripunithura on 16-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. Sivasankaran,
D-36,
Ascetate Tower,
Mandya City,
Karnataka.

(Transferor)

- (2) Sh. V. T. Joseph,
C/o Vecteejay Exports (P) Ltd.,
CC XVIII/014,
Cochin-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.29875 acres of land with building in Sy. No. 317 & 316/1 & 2 of Thiruvankulam village as per schedule attached to document No. 652/81.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th Sept., 1981

Ref. No 1183 Acq. 23-II/81-82—Whereas, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 1335, Wd. No. 5, Haripura, Surat situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nurbanu Dharamshibhai,
Jafarali Dharamshibhai,
Sultanali Dharamshibhai,
Ramzanali Dharamshibhai,
Anwar Dharamshibhai,
Salim Dharamshibhai,
B-11, Karimabad Society,
Ghod-dod Road,
Surat

(Transferor)

(2) Smt. Shantiben urfe Vasantaben Gamanla,
Bibinchandra Gamanlal Modi,
Nareshchandra Gamanlal Modi;
Satishchandra Gamanlal Modi;
Pankajkumar Gamanlal Modi;
Haripura Main Road, Nr. Jain Temple, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1335, Wd. No. 5, Nanpura, Kaljug Mahollo, Surat, duly registered in the month of February, 1981.

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, II, Ahmedabad.

Date : 26-9-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madrás-600006, the 28th August, 1981

Ref. No. 11338—Whereas, I, RADHA BALAKARISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17/370, 371, 372, situated at Oppanakara St., Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 577/81) in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1- C. A. Kannayan,
K. Raja,
516, Trichy Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/s. Walśa Chacko,
Mariamma Jose, 8/354,
Chettupuzha House,
Fatima Nagar,
Tiruchur-5,
Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17/370, 371, 372 Oppanakara St., Coimbatore. (Doc. 577/81)

RADHA BALKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 28-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 15th September, 1981

Notice No. 355/81-82—Whereas I, Dr. V. N. LALITH-KUMAR RAO, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chalta No. 162 situated at Margao (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao Under document number 43/81, on 25-2-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than, fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Ramadas Govind Kamath
- (2) Smt. Kamala R. Kamath,
C-1; Samadhan Building,
Malbhat, Margao-Goa.

(Transferor)

- (2) M/s. Samadhan Co-Op., Housing-Society Ltd.,
Samadhan Building,
Malbhat, Margao-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter."

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 43/81 Dated 25-2-1981)
Open land measuring 750 Sqm. known as "Malcabata"
or "Malbhat" bearing chalta No. 162, situated at Margao.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-9-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 15th September, 1981

Ref. No. 356/81-82—Whereas I, Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bldg. No. 1 & 3 in Samadhan Bldg., situated at Margao Goa,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao under document No. 43/81 on 25-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Samadhan Coop. Housing Society Ltd.,
Samadhan Building, Malbhat,
Margao-Goa.

(Transferor)

(2) (1) Sri Ramadas G. Kamath,
(2) Smt. Kamala R. Kamath,
Malbhat, Margao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 43/81 Dated 25-2-81

Three shops in ground floor of the building No. 1 and a flat measuring 84.24 Sqm. in first floor of building No. 3 in Samadhan Building situated at Aquem Road, Margao.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore)

Date : 15-9-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE,

Bangalore, the 15th September, 1981

Ref. No 357/1-82—Whereas, J. Dr V. N. LALITHKUMAR
RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Matriz No. 808 & Chalta No. 182 situated at Panaji (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ilhas Under document number 73/81 on 16-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Antonio Jose Pereira Barros Valadres
R/o Near Syndicate Bank,
Mormugao Harbour,
Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Lucy Philomena May Lobo Gomes,
R/o Panaji,
Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 73/81

Dt. 16-2-81]

Land measuring 700 Sqm. Known as "Casa de morada Com Seu Quintal E Horta" and building thereon bearing matriz No. 808 and chalta No. 182 situated at Panaji, Goa.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-9-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE
Bangalore, the 15th September, 1981

Notice No. 358/81-82—Whereas I, Dr. V. N. LALITH-KUMAR RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D-3, situated at La Campala Residential Colony, Panaji.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at it has under document number 97/8 on 24-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—336GI/81

1. Smt. Hemalata Hiralal Rayathatha
Panaji,
Goa.

(Transferor)

(2) Shri Krishnakant Narcinva Vernekar alias,
Karishnakant Narcinva Poi Vernekar,
R/o Assolna,
Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 97/81 Date 24-2-1981]
Land and building bearing Plot No. D-3 of La Campala Residential Colony situated at Panaji, Goa.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-9-1981

Seal ;

FORM ITNS

(1) Smt. Renubala Das

(Transferor)

(2) Amber Properties (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA**

Calcutta, the 22nd July 1981

Ref. No. 931/Acq. Rs.III/81-82/Cal.—Whereas, I, I. V. S. Juneja

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25 situated at Waterloo street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of the house property being premises at 25, Waterloo Street, Calcutta as per Deed No. 1089 dated 17-2-1981 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 22-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1981

Ref. No. AC-40/Acq. R-IV/Cal./81-82—Whereas, I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 940/1197 situated at Berhampore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murshidabad (Berhampore) on 12-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sarashi Bala Roy, W/o Jogendra Nath Roy of 26-Dinabandhu Berhampore.,
Murshidabad.,
Sanyal Lane,
Berhampore.

(Transferor)

(2) Smt. Santi Roy, W/o Narayan Prosad Roy, of Kadai, P. S. Berhampore.,
Murshidabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land -09 Dec. with building situated at 119 R. N. Tagore Road, Berhampore, Murshidabad. Deed No. 1525 of 1981,

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 6-8-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Santosh Kr. Mallick & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Mahammed Shaukat Ali & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September, 1981

Ref. No. TR-551/80-81/S587/Acq. R-I/Cal.—Whereas I,
I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 56 situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share in one storeyed building being premises No 56, Park Street, Calcutta-17 measuring 16 cottahs 14 chittacks 30 sq. ft. of land registered vide Deed No. 1-883 in the Office of Registrar of Assurances, Calcutta on 10-2-1981.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 15-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th September 1981

Ref No AC-51/Acq R-IV/Cal/81-82—Whereas I,
K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P. S. Kasba, Dt 24-Parganas situated at Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Suburban Agriculture Diary & Fisheries (P) Ltd.
(Transferor)
(2) Trast Fisher Development and Research Centre
Board.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—4.10 satak.
Address—Mauja—Chahgaria, P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas.
Deed No. 1394 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta

Date : 30-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Suburban Agriculture and Fisheries (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Trust Fisheries Development and Research Centre Board.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th September, 1981

Ref. No. AC-52/Acq. R-IV/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas situated at Alipore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 4 acres 13 Satak,
Address—Mauja—Chak Garia, P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas.
Deed No. 1394 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,

Date : 30-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Tbe Suburban Agriculture Diary and Fisheries (P)
Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahatirtham

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th September 1981

Ref. No. AC-53/Acq.-R-IV/Cal./81-82—Whereas I,
K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. P. S. Kasba Dt. 24-Parganas situated at
Alipore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Alipore on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—4 Acre, 13 Satak,
Address—Mauja—Chakgaria P. S. Kasba, Dt. 24-Parga-
nas.
Deed No. 1395 of 1981

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 30-9-1981

Seal :

FORM ITNS—

- (1) The Suburban Agriculture and Fisheries (P) Ltd.,
(Transferor)
- (2) Mahatirtham
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th September, 1981

Ref. No. AC-54/Acq. R-IV/Cal./81-82—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas, situated at Alipore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—4 Acre, 14 Satak
Address—Mauja-Chakgaria, P. S. Kasba, Dt. 24-Parganas
Deed No. 1396 of 1981

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Suburban Agriculture Diary and Fisheries (P)
Ltd

(Transferee)

(2) Mukherjee Construction (P) Ltd.,
24/1, Garfa Road, Calcutta-78.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,

CALCUTTA

Calcutta the 30th September 1981

Ref. No. AC-55/R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA,
Competent Authority under Section 269Bof the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing
No. — situated at P. S. Kasba, Dist. 24-Pgs.(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
Alipore on 11-2-81for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
19—376Q1-81

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 4 Acre, 25 satak, Address Chakgaria, P. S. Kasba,
Dt 24-Pgs. Decd No 1397 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd Floor),
Calcutta-700016.

Date : 30-9-1981
Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th September 1981

Ref. No. AC56/R-IV/Cal/81-82.---Whereas, I. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at P. S. Kasba, Dist 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Suburban Agriculture Dairy & Fisheries (P) Ltd.
(2) Mukherjee Construction (P) Ltd.,
241, Garfa Road.
- (Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 4 Acre 26 satak. Address : Mouja Chakgaria, P.S. Kasba, Dt 24-Pgs. Deed No. 1398 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700016

Date : 30-9-1981
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th September, 1981

Ref No AC/57/R IV/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No situated at Santtagachi Dt Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 25.2.1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as above said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh Dilip, Pradip, Sandip, Kum Kum and Bulu Mukherjee of Uttar Baxarah, Jagacha, Distt Howrah & Kajal Chakrabarty of 38, Ram Kumarpark, Cal -41
(Transferor)

(2) Shri Murari Mohan Paul,
69 C Mondal St
Calcutta-6

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land 12 cottahs 3ch 40sqft.
Address Uttar Baxara Santtagachi, Distt Howrah
Deed No 985 of 1981

K SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date 30-9-1981
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th September, 1981

Ref. No. AC 5/R-IV/Cal./81-82—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situate at P. S. Baranagar, Distt. 24-Pags (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cossipore, (Dum Dum) on 6-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Kalipada Chakrabarty,
13. Natter Bagan Street,
P. S. Jorabagan

(Transferor)

- (2) M/s. Chandra Chemical Private Limited
No. P-24, C. T. T., Road,
P. S. Entally, Cal-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land :—28 cottahs. 8 ch. Address—Mouza Bonhooghly, P.S. Baranagar, Dist. 24-Pgs. Decd No. 950 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, IV, Calcutta

Date : 30-9-1981
Seal :

FORM ITNS—

Sh Sunil Kumar Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/S. Nanda Dulal Paul & 3 others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th October 1981

Ref. No.—957/Acq/R-III/81-82.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19/1B situated at Shyamananda Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 20-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Cottahs 12 ch, more or less at 19/1B, Shyamananda Road, Calcutta as per deed No. 815 dt.20-2-81 registered before the S. R. Alipore, 24 Parganas.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 16-10-81

Seal :

FORM ITNS

M/s. Manjusa Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Dr. Arun Kr. Seal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th October 1981

Ref. No. 955/Act.R-III/81-82/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P-15, 16, 17 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 23-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 4th floor (south west corner) of the multi-storied, building at premises No. P-15, 16 & 17, Gariahat Road, (South) Calcutta.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 17-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Arun Kr. Dey

(Transferor)

Motilal Todi & ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th October 1981

Ref. No. 956/Acq-R-III/81-82/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Lala Lajpat Sarani Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at 8, Lala Lajpat Sarani, Calcutta containing an area of land 17 cottahs 9 chittacks & 35 sft.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 17-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

Md Rafique & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Mahabir Prasad Agarwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 19th October 1981

Ref. No. S-591/TR-583/80-81/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 2& 2/1A situated at Hide Lane Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two-storied building with land measuring 6 k. 4 ch. 12 srt. being premises No. 2 Hide Lane and land measuring 8 ch. 28 srt. being 2/1A Hide Lane, Calcutta as per deed No. 1435 dt. 26-2-81 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Act.II/SR-I/81-82/2-81/7468.—Whereas I, SMT, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 17 situated at Vill. Sadhora Kalan, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer on February, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
20—306GI/81

- (1) Shri Jai Ram Sharma & others,
R/o 39/9, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Shashi Gupta,
w/o Sh. Ved Prakash Gupta,
R/o 3907,
Gali Barna Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17 Block E Vill, Sadhora Kalan Delhi, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/81-82/2-81/7404.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3 Block F situated at Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Om Vati Gupta,
W/o Sh. Ramesh Chand Gupta,
R/o No. 14 F,
Kamla Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Narinder Kaur Chhabra,
w/o Sh. Jogindor Singh Chhabra,
R/o 8/5, Singh Sabha Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 Block F Kamla Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jugal Kishore,
w/o Krishan Lal,
R/o N/89, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Aggarwal,
s/o Sh. R. D. Aggarwal,
R/o 24/15, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/81-82/2-81/7408.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 3 situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on

February, 81

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Shakti Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New DelhiNow, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/2-81/4185.—Whereas I, **VIMAL VASISHT**, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Nawada, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Sarup,
 s/o Chandgi & others,
 R/o Vill. Nawada,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishori Lal Batra,
 S/o L. Sh. G M. Batra,
 R/o e/o 5A-21 Janakpuri
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Nawada, Delhi

SMT. VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/2-81/4219.— Whereas I, VIMAL VASISHT, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Ibrahimpur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi at on Feb. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sushil R. Shahani,
S/o R. M. Shahani,
R/o No. 7/9 Roop Nagar,
S/Mandl, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Davinder Kumar,
S/o D. D Aggarwal,
R/o C-2/32 Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Ibrahimpur, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date . 19-10-1981
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/2-81/7464.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House on plot No. 25 situated at Rameshwar Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Singh,
S/o Ishar Singh,
H. No. 25, Rameshwar Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. M. Bhanot,
S/o Ram Partap Bhanot,
R/o above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 25, Rameshwar Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/2-81/4220.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Ibrahimpur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kamal R. Shanani,
S/o R. M. Shabani,
R/o 7/9 Roop Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Kumar,
S/o Sh. D. D. Aggarwal,
R/o C-2/32, Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Ibrahimpur, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 19-10-81
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/2-81/4218.—Whereas I VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Ibrahimpur Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. R. Shahani,
W/o R. M. Shahani,
R/o 7/9 Roop Nagar,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Rajinder Kumar,
S/o D. D. Aggarwal,
R/o H-2/5, Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Ibrahimpur, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acc.II/SR-II/81-82/2-81/4217.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Ibrahimpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—336GI/81

(1) Shri R. R. Shahni,
W/o R. M. Shahni,
R/o No. 7/9 Roop Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Kumar,
S/o D. D. Aggarwal,
R/o H-2/5,
Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Ibrahimpur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/81-82/2-81/4234.—Whereas I, Smt VIMAL VASHIST being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land in village situated at Asalatpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dalip Singh,
S/o Roop Ram & others
R/o Hasalatpur Khader,
Delhi State,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Jain,
W/o Shyam Lal,
R/o 2/98,
Janakpuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill, Asalatpur Khader, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASHIST

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 19-10 81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/2-81/7394.—Whereas I, Smt. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Prop. on plot No. 281 situated at Gilheri Bagh, Prem Nagar, Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Roshan Lal, Ashok Kumar and Krishan Kumar,
S/o Perhlad Rai,
R/o 7/29,
Roop Nagar,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Chameli Devi,
W/o Ram Kumar,
R/o 7388,
Prem Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. on plot No. 201, Gilheri Bagh, Prem Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 19-10-81

Seal:

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/2-81/4228.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Nawada, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Sarup,
S/o Chandgi & others,
R/o Vill. Nawada,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Daljit Singh,
W/o Harvinder Singh & other,
R/o 3A/143A Janakpuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Nawada, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/2-81/7409.—Whereas I,
SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 3 situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Tilak Raj,
S/o Krishan Lal,
R/o N/89, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Aggarwal,
S/o R. D. Aggarwal,
R/o 24/15, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 Shakti Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/2-81/7373.—Whereas I, **VIMAL VASISHT**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. plot 15 at Netaji Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|--|--------------|
| (1) Smt. Sita Devi,
W/o L. Sh. Hans Raj Aggarwal,
R/o D-1, C-C. Colony Delhi. | (Transferor) |
| (2) Shri Jagdish Pd. Gupta,
S/o Ram Gopal Gupta,
R/o H-2/3 Model Town,
Delhi. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15 Netaji Road, Adarsh Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 19-10-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/81-82/2-81/7452.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 shops situated at Mpl. No. 622-625 (New), G.B. Road
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Gilla Goods Carriers Pvt Ltd.,
30, Jor Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Shakuntala Devi,
W/o Dwarka Pd.
R/o 864, Katra Hittu,
Farash Khana,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

3 shops, Mpl. No. 622-625 (New) behind G.B. Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/2-81/7465.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 32 situated at Harphool Singh Sadar Thana Rd., Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-2-1981

at on Feb. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sbri Shadi Lal Pandit,
S/o L. Sh. Har Pd.,
R/o 5565-66/3, S/Mandi,
Ambala City,
Haryana.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Devi Gupta,
W/o Ghasi Ram,
R/o 5663/20,
Basti Harphool Singh,
S/Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 32 Harphool Singh Sadar Thana Rd. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-81

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Devi Dayal,
R/o 2074 Chah Indara Kauria Pul,
Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vaha Kumari Aggarwal,
d/o Sukhbir Saran Aggarwal,
R/o 2003, Kt. Lachu Singh,
Fountain, Delhi

(Transferee)

(GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref No IAC/Acq II/SR-1/2-81/7434:—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2074 situated at Chah Indara, Kauria Pul Illaqa No. 4, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Delhi Feb 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Prop. No. 2074 Chah Indara, Vauria Pul Illaqa No. 4, Delhi

SMT VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
22—336GI/81

Date : 19-10-1981

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Sada Ram S/o Sh. Mollar Singh,
R/o V & P O Harsana Kalan,
Tehsil & P O Distt, Sonapat,

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh S/o Natha Singh,
R/o 5491, Basti Harphool Singh,
Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No IAC/Acq.-II/SR-I/2-81/7365:—Whereas I, VIMAL VASHIST,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5489, 5490 & 5491 at Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in Feb. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. Nos. 5489 to 5491 Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi

VIMAL VASHIST,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No IAC/Acq II/SR-II/81-82/2-81/4235:—Whereas I, VIMAI, VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Vill Tivari Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on Feb., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kartar Singh, Mehtah Singh S/o Darya Singh, R/o Vill Tikari Kalan, Delhi & others (Transferor)
- (2) Shri C. S. Chawla s/o Som Raj Chawla, R/o 9/19, old Rajinder Nagar, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Tikari Kalan, Delhi

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No IAC/Acq II/SR-II/81-82/2-81/4210—Whereas VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Vill Sahibabad Daulat pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwan Singh, Rai Singh, Partap Singh and Ajit Singh sons of Sarup Singh,
R/o Vill Sahibabad Daulat Pur,
Delhi

(Transferor)

(2) Sbri Narender Kumar Himtronka S/o Gauri Shanker
r/o 139D, Kamla Nagar,
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Vill Sahibabad Daulat Pur, Delhi

SMT VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No IAC/Acq -II/SR-II/81-82/2-81/4236:—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agri. land situated at Vill. Dichan Kalan, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Singh Ram, Jai Pal Singh, Ram Pal Singh & Suresh Singh S/o Shanian,
R/o Shahpur Jat,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Prem Singh Chawla HUE, S/o Ram Ditta Mal,
R/o D-23, Rajouri Garden,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Dichan Kala, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No IAC/Acq. II/SR-1/81-82/2-81/7336:—Whereas I VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. C-28 situated at G. T. Karnal Road Vill. Bharola Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on Feb. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Lal Gupta
S/o Tikka Ram Gupta
R/o B-4-A/10
Rama Partap Bagh
Delhi.

(Transferor)

(2) Sbrri Tara Chand Singhal S/o Shyam Lal Singhal
R/o A-62/2
G. T. Karnal Road Industrial Area
Vill Bharoal Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-28 Nehru Road Adarsh Nagar Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-II New Delhi.

Date : 19-10-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF
INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref No. IAC/Acq. II/SR-II/81-82/2-81/4254:—Whereas I VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agri land situated at 2 Bighas 9 Biswas Vill Possangipur Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurbinder Singh Vohra s/o Bhuninder Singh Vohra
R/o A2/72,
Rajouri Garden,
New Delhi

(Transferee)

(2) Shri Tilak Raj s/o Chuni Lal,
G-28/3,
Rajouri Garden,
N. Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land, 2 Bighas :9 Biswas Vill Possangipur, Delhi

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No. IAC/Acq./II/SR-II/81-82/2-81/4183:—Whereas I, VIMAL VASHIST, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No. 108 situated at Shama Pershad Mukerjee Park New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Chander Mohan Vijay Mohan sons of Gurdial Manchanda,
R/o 8864, Multani Dhanda,
Pahar Ganj,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash s/o Balik Ram Sharma,
R/o H-65, Shivaji Park,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 108, S P M Park, New Delhi

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 19-10-1981
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No IAC/Acq. II/SR-II/81-82/2-81/4263;—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No Plot No 48/1 situated at Vill Nangloi Syed Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
on Feb 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—336GI/81

- (1) Shri Prabhu Dayal & Suraj Bhan,
S/o Hari Singh,
R/o WZ-143/D-1,
Mahabir Nagar,
New Delhi

(Transferor)

- (2) Sbri Surinder Kumar & Jagdish Chander
S/o Ganesh Dass,
R/o 10A/24,
Shanti Nagar,
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop Plot No. 48/1, Vill. Nangloi Syed, Delhi

SMT VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 19-10-1981

Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No IAC/Acq II/SR-II/81-82/2-81/4261—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Prop. Khasra No 289 situated at Vill Nangloi Syed, Delhi (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Asha Ram S/o Sh. Nanu Lal,
R/o Vill, Nangloi Syed,
Delhi
(Transferor)
- (2) Shri Shyam Sunder s/o Nanu Lal,
R/o 5/5, Vijay Nagar,
New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. Khasra No. 289 Vill. Nangloi Syed, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/81-82/2-81/4262;—Whereas I
VIMAL VASHIST,being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable prop-
erty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearingNo Prop. Khasra No. 289 situated at Vill. Nangloi Syed, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Feb., 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly, stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Ram Chander S/o Gagu Mal,
R/o Vill. Nangloi Syed,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Nanu Lal S/o L. Sh. Chander Bhan,
R/o 5/5, Vijay Nagar,
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. Khasra No. 289, Vill. Nangloi Syed, Delhi.

SMT VIMAL VASHIST

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Dated : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/81-82/2-81-7475.—Whereas I, VIMAL VASHIST,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 1265 situated at Rang Mahal, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt Gomti Devi W/o Raghu Nath Parshad & others,
R/o 540, Katra Ishawar Bhawan,
Delhi

(Transferor)

(2) Smt Ram Dulari W/o Ram Kishan Dass,
1265 Rang Mahal,
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1265 Rang Mahal, Delhi.

SMT VIMAL VASHIST,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Dated : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. 1 A C/Acq. 1/S.R.-III/2-81/4190.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

106 Plot situated at Hari Nagar Clock Tower, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kailash Kumari
w/o Babu Haveli Ram
III/138 Rattan Singh Gopinath Bazar,
Delhi Cantt.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Dhall
w/o Shri K. L. Dhall
R/o D-155,
Fateh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 106, Hari Nagar Clock Tower, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No I A C/Acq. II/S R -I/81-82/2-81/7406 —Whereas
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No G-3 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sohan Lal Dhawan
s/o Shri Jeewan Dass Dhawan
G-3, Model Town,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Jagat Ram
s/o Shri Sanwal Dass and
Smt. Daya Wanti
G-3, Model Town,
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No G-3, Model Town, Delhi

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No I A C/Acq-II/S R-I/81-82/2-81/7438.—Whereas
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Mpl. No. 4771, situated at Bharat Ram Road, Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ranbir Singh Tandon
s/o B. M. Tandon
R/o House No. 4771/23, Darya Ganj,
Ansari Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Kanchan Commercial Co. (P) Ltd.
143 Cotton Street,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 4771, Bharat Ram Road, Darya Ganj,
New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981
Seal

FORM IT.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No I A C /Acq -II/S.R -II/81-82/2-81/4266 —Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Shri Balwant Rai
s/o Mohan Lal
R/o J-11/2, Rajouri Garden,
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Kumar Gupta
s/o Roshan Lal Gupta
R/o 12/18, Shakti Nagar,
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 1, Block No -4 Rajouri Garden, New Delhi

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date 19-10-1981
Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/81-82/2-81/7414.—Whereas
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 22, situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Sumitra Rani Luthra
w/o Dina Nath
& others
R/o 14/22 Shakti Nagar,
Delhi.
- (2) Shri Ram Avtar Gupta and
Shivanand Gupta
s/o Shri Narsingh Dass Gupta
R/o 11782 G. T. Road,
Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22, Block 14, Shakti Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. I.A.C./Acq. II/S. R.-II/81-82/2-81/4239.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Dichan Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Singh Ram
& others
sons of Shri Shankar
R/o Shahpur Jat,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Paramjit Singh Chawla
HUF,
s/o Nand Singh Chawla
r/o C-4 Rajouri Garden,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Dichan Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/81-82/2-81/7405.—Where as I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. K-16, situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Jagat Ram
s/o Shri Sanwal Dass and
thers,
K-16, Mouel Town,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal
s/o Ram Lal
& thers
R/o A-11/12 Malkaganj,
Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. K-16, Model Town, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 19-10-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Radha Rani Kapoor
w/o S. J. Kapoor,
Sec. No. 16, H. No. 222,
Faridabad (Haryana)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/81-82/2-81/4204.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. Plot No. J-12/34 situated at Rajouri Garden, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. J-12/34 Rajouri Garden, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/81-82/2-81/7407.—Whereas,
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-3, situated at G-3, Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Choudhrani Bai
W/o Sohan Lal Dhawan
G-3, Model Town,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Jagat Ram
s/o Shri Sanwal Dass
& others,
G-3, Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. G-3, Model Town Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New DelhiDate : 19-10-1981
Seal :

FORM I.T.N.2.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/81-82/2-81/7476.—Whereas I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

property No. 2546 situated at Mohalla Tiraha Behram Khan, Darya Ganj, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sheikh Mumtaz-ul-Arfin
s/o L. Shamsul-Arfin
R/o 2128, Ahata Kalo Saheb,
Delhi
& others.

(Transferor)

- (2) Shri Bhagwat Pd.
s/o Lala Ram
R/o 3005, Kuoha Neelkanth,
Faiz Bazar,
Darya Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2546, Mohalla Tirha Behram Khan, Darya Ganj, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/81-82/2-81/7385.—Whereas I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. IX/151, situated at Gali Batashan, Chawri Bazar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi) on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ram Kali Devi
w/o L. Sh. Phool Chand
Sh. Prem Shanker
& others
sons of Shri Phool Chand
& other
R/o B-1/205, Paschim Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Darshan Kumar,
Shri Surinder Kumar
s/o Shri Hans Raj Suri
r/o F18/16, Krishan Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. IX/151, Gali Batashan, Chawri Bazar, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S R.-I/81-82/2-81/7418.—Whereas I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. A-2/113 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Meharban Singh
s/o Hari Singh
J-77, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Satwant Kaur
w/o Shri Prithavipal Singh,
A-2/113 Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. A-2/113, Rajouri Garden, New Delhi.

VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/81-82/2-81/7412.—Whereas
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 4678, 4681 & 4682 situated at Mahavir Bazar, Cloth Market, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25—336GI/81

(1) Shri Babu Ram
S/o Kedar Nath
R/o 1547, Kucha Seth,
Dariba Kalan,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Tilak
s/o Shri Mohan Lal
R/o 559/2/A, Gali Netaji,
Gandhi Nagar,
Delhi
& other.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4678, 4681 & 4682, Mahavir Bazar, Cloth Market, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/81-82/2-81/7408—Whereas
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 22, situated at Mpl. No. 5641, 5644, Kt. Shop Anoop Singh, Nai Sarak, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagan Nath
s/o Ram Roop
R/o 74 Todermal Road,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Virender Mohan and
Rajendra Mohan
s/o L. Shri Vadev
r/o 13 Lucknow Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22, Municipal No. 5641-5644, Kt. Anoop Singh,
Nai Sarak, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi.

Date : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq. II/S. R.-I/81-82/2-81/7467.—Whereas
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property No. 1513 situated at G. T. Road, Ghanta Ghar, Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kasturi Lal,
Vijay Kumar
& other
sons of Kutu Ram,
R/o 5256, Kolhapur Road,
Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Preetam Pd. Jain
s/o Bhakshri Lal Jain
R/o 43/K, Kedar Building,
Ghanta Ghar,
S/Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1513, G. T. Road, Ghanta Ghar, Subzi Mandi, Delhi.

VIMAL VASHISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DEWHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq. II/S. R.-I/81-82/2-81/7466.—Whereas I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 Shops situated at Near Ghanta Ghar, Subzi Mandi G. T. Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Sarup,
Kasturi Lal,
Kashmiri Lal
Vijay Kumar
and Mulkh Raj
ss/o Shri Kotu Ram,
r/o 5256, Kolhapur House,
Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Kumar Jain
s/o Ram Sarup
R/o 5215, Kolhapur Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Shops Near Ghanta Ghar, Subzi Mandi Road, Delhi.

VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/81-82/2-81/7439.—Whereas
I VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 1747, situated at Cheera Khana, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rang Bahadur
s/o Shiv Sahai
& others
R/o 1747, Cheera Khana,
Delhi
& others.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Saran,
Rakesh Kumar,
Vijender Kumar,
Jugal Kishore,
R/o 6/33, W. E. A. Karol Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1747, Chira Khana, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4205.—Whereas
I, VIMAL VASHISHTbeing the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter re-
ferred to as the said Act), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25000/- and bearingNo. Agricultural land situated at Village Alipur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on February, 1981for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Surat Singh
s/o Chhotey
R/o Village Alipur,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Kamlesh Goel
w/o Shri Suresh Chand Goel
R/o BS/8, Rana Partap Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Alipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi the 23rd October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4256.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Surat Singh
s/o Chhotey
R/o Vill. Alipur
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Brahmo Devi
w/o Shri Pokharmal
R/o BS/8, Rana Partap Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Alipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi./New Delhi

Date : 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4227.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plant No. G-100 situated at Fateh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rukman Kaur,
w/o S. Assa Singh
through her G.A.S. Tarlochan Singh Lamba
S/o S. Ram Singh Fateh Nagar
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kuljit Kaur
w/o Tarbir Singh
R/o G-139, 'G' Block,
Hari Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-100, Fateh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/81-82/2-81/7469.—Whereas
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H.No. 6203, situated at Kucha Shive Mandi, Gali Batashan, Khari Baoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—336GI/81

(1) Shri Ram Kishan
s/o Jawala Parshad
R/o 1915-16, Lal Kuan,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar
& other
ss/o Lal Chand
R/o Gali Batashan,
Khari Baoli,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 6203 Gali Batashan, Khari Baoli, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Khub Ram and
Ram Dayal
sons of Jai Ram
R/o Village Nangloi Sakrawti,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Des Raj Singh
s/o L. S. Baru
s/o Baru Singh
R/o 34/42 Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4246.—Whereas,
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agricultural land situated at Village Nangloi Sakurauti, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land Village Nangloi Sakrawti Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4249. —Whereas
I VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Nangloi Sakrawati Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Khub
Ram Dayal
sons of Jai Ram
R/o Village Nangloi Sakrawati
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sarbjit Singh
S/o Des Raj Singh
R/o 34/42 Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Nangloi Sakrawati Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-IV/81-82/2-81/4252
 [—Whereas I, VIMAL VASHISHT
 being the Competent Authority under Section 269-B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing

No. House No. B-71 & 72 situated at Fateh Nagar, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

(1) Shri Qadrat Singh Sethi
 S/o Shri Kartar Singh Sethi
 R/o A-15/27, Vasant Vihar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh
 S/o Shri Kartar Singh
 R/o 145, Partap Nagar,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. B-71 & 72, Fateh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 23-10-1981
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq. II/S.R./I/81-82/2-81/7391.—Whereas,
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7823, situated at Roshanara Road, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Partap Singh
s/o Ganda Singh
R/o 9/7, South Patel Nagar,
New Delhi.
- (2) Shri Inderjit Kaur
w/o Mangal Singh
R/o 7823, Roshan Ara Road,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 7823, Roshanara Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October 1981

Ref. No. J. A. C./Acq.-II/S.R.-II/81-82/2-81/4238.—Whereas I, VIMAL VASHISHT

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Dichan Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Singh Ram,
Jai Pal Singh and
Ram Pal Singh and
Suresh Singh
s/o Shankar
R/o Villag Shahpur Jat,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh Chawla HUF,
s/o Nand Singh
R/o C-4, Rajouri Garden,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Village Dichan Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Delhi

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/81-82/2-81/4248.—Whereas
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Nangloi Sakrawti,
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Khub Ram and
Ram Dayal
sons of Jai Ram
R/o Village Nangloi Sakrawti,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Amritpal Singh
s/o Des Raj Singh
R/o 34/42 Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Village Nangli Sakrawti Delhi State.

SMT. VIMAL VASHISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th October, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/2-81/4237.—Whereas
I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Dichan Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Singh Ram,
Jai Pal Singh,
Ram Pal Singh and
Suresh Singh
s/o Hankar
R/o Shahpur Jat,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh Kirpal Singh Chawla HUF
s/o Partap Singh Chawal
R/o C-4, Rajouri Garden,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Village Dichan Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 19-10-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Khub Ram and Ram Dayal sons of Jai Ram,
R/o Vill. Nangli Sakrawti Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhupender Singh s/o Sh. Des Raj,
R/o 34/42 Punjahi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. IAC/ACQ.II/SR-II/81-82/2-81/4247 - Whereas I,
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Nangli Sakrawti, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

27—336GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Nagli Sakrawti, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated 23-10-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, II NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref : IAC/ACQ. II/S.R.-I/81-82/2-81/7363—Whereas I,
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. A-17 situated at Community Centre, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chander Shekhar, Inder Kumar, Sushil Kumar,
R/o EA-196, Tagore Garden,
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Vishanudass, Shiv Saran, Bhoj Raj,
Balram Dhawan & Smt. Navin Dhawan,
N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-17, Community Centre, Dr. Mukherjee Nagar,
Delhi.

VIMAL VASHISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref IAC/ACQ II/S-R11/81-82/2-81/4189—W
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Land measuring situated at 10 biswas, Vill Nawada, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhartu s/o Sh Tukha & Sh Om Sorup
s/o. Sh. Chandgi R/o
Vill. Nawada,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Smt Sumitra Devi w/o
Shri Vir Singh,
R/o 3961, Gali Ahiran Pahari Dhuraj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 biswas situated at Vill Nawada, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. IAC/ACQ II/SR-II/81-82/2-81/4229—Whereas I,
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No Qr 17/135 situated at Subhash Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt Krishna Devi w/o
Shri S.P. Talwar R/o
Behind shop No. 111,
Shanker Road, Market,
New Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Jagdish Raj Sethi s/o
Shri Jagan Nath Sethi,
R/o 13/76, Subhash Nagar,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr No 17/135, Subhash Nagar, New Delhi

SMT VIMAL VASHISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, II Delh/New Delhi

Dated 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, II NEW DELHI

New Delhi the 23rd October 1981

Ref. IAC/ACQ II/SR-II/81-82/4203—Whiccas
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No A/82 situated at Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pritam Kaur w/o Rattan Singh D/o
So Labh Singh R/o
C-152 Hari Nagar, Clock Tower,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Satya Ranu w/o
Tilak Raj Chhabra R/o
16/254 Ne Moti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A/182, Hari Nagar Clock Tower, New Delhi.

SMT VIMAL VASHISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acn. Range II, New Delhi.

Dated 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/2-81/4231—Whereas I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sbri Hari Chand, Arjun Mahinder sons of
Giani R/o
Vill Burari,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sanjeev Singh s/o
Sar Pal Singh R/o
A-26, Ring Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Burari, Delhi

SMT. VIMAL VASHISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Dated 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October 1981

Ref. IAC/ACQ. II/S.R.-II/81-82/2-81/4191—Whereas I—
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. A-163, situated at Fateh Nagar New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shanti Ghai w/o
Sh. B.G. Ghat R/o
WZ-215-C, Varinder Nagar,
New Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Raj Kumar & Sh. Vijay Kumar w/o
Sh. Bhagat Ram R/o
444, Gali Rajan Kalan
Kashmere Gate,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-163, Fateh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, II New Delhi.

Date : 23-10-1981
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref No IAC/ACQ II/SR-II/81-82/2-81/4293— Whereas I—
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No 11, situated at Jwari Block, Ganga Ram Vatika, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ved Mittar s/o Sh Hans Raj Bhatia r/o
J-12, Jwari Block,
Ganga Ram Vatika,
New Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Sohagai Mal d/o Sh Gurditta Mal r/o
S-12, Rajouri Garden, Janta Market,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half portion of property No 11, Jwari Block, Ganga Ram Vatika, New Delhi

SMT. VIMAL VASHISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acq Range, II, New Delhi.

Dated 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. No. IAC/ACQ.II/SR-II/81-82/2-81/4208—
VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 bighas 16 biswas, situated at Sahibabad Daulat pur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—336GI/81

- (1) Shri Bhagwan Singh, Raj Singh, Partao Singh, and Ajit Singh son of Sh. Sarup Singh s/o Vill. Sahibabad Daulat pur, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Awnest Kaur Bhatia w/o Sh. Joginder Singh Bhatia, r/o 2718/7, Chuna Mandi, Pahar Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bighas 16 biswas, Sahibabad Daulat pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi.

Dated 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi the 23rd October, 1981

Ref. IAC/ACQ II/SR-I/81-82/2-81/4209 Whereas I, VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6 bighas 17 biswas situated at vill Sahibabad, Daulat pur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Bhagwan Singh,
Rai Singh,
Partap Singh,
Ajit Singh s/o
Sh. Srup Singh,
r/o Vill. Sahibabad Daulat pur,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Joginder Kaur Bhatia w/o
Sh. Balbir Singh r/o
2718/7, Chhna Mandi,
Pahar Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bighas 7 biswas, Vill Sahibabad Daulat pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, II, New Delhi.

Dated 23-10-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd October, 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-II/81-82/2-81/4230—Whereas I—
VIMAL VASHISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land measuring situated at 10 biswas, vill. Nawada, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Sarup s/o
Sh. Chandgi & Bhantu
s/o Sh. Tinbha r/o
Vill. Nawada,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kapil Kumar s/o
Lachhman Kumar r/o
1/9, Hindi Pura Near S. Mandi,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 biswas, vill Nawada, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi.

Dated 23-10-1981.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 24th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./81-82/1031—Whereas I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Plot No. 18 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 24-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hazari Mal s/o
N^ond Ram,
Masuria, Pal Road,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rata Kalla W/o
Jagdish Chopasani Road,
Dalda Bhawan,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18, Beldar Colony, Masuria, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his No. 860 dated 24-4-1981

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipu

Date : 24-8-81.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 24th August, 1981

Ref. No IAC/ACQ.1042—Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 13-2-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ghewar Chand S/o
Mitha Lal Oswal Karnawat,
Niwasi Jaipur at present Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Kishore Chand S/o
Mitha Lal Oswal Karnawat,
Niwasi Pali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House at Ram Lila Ground, Pali & more fully described in the sale deed registered by S.R., Pali vide his registration No. 2164 dated 13-2-1981.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-8-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 24th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq/1043—Whereas, I M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11, situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Guman Mal Mehta, S/o
Shri Jeev Raj Ji Mehta,
City Police,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Chhimna Ram Patel S/o
Natha Ram Patel,
Niwasl Village Kavi Raj Ji Ki Doli,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Plot No. 11, Section 4, Sector 1, Shastri Nagar, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide his registration No. 967 dated 8-5-1981.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-8-1981.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 24th August, 1981

Ref. No./IAC/Acq./1044—Whereas I, M.L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 11, situated at Jodhpur (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely :—

- (1) Shri Guman Mal Mehta s/o
Shri Jeev Raj Ji Mehta,
City Police,
Jodhpur.

(Transferor)

- (2) Shri Tilok Ram Patel S/o
Shri Chiman Ram Patel,
Niwasi Village Kavi Raj Ji Ki Doli,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Plot No. 11, Section 4, Sector A, Shastri Nagar, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur, vide his registration No. 966 dated 8-5-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-8-1981
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 30th September, 1981

Ref. No
M. L. CHAUHAN

—Whereas, I—

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Shop No. 24, situated at Hanumangarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 2-2-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nand Lal S/o
Shri Ranga Ram Niwasi,
Hanumangarh.

(Transferor)

- (2) Shri Keshav Prashad S/o
Gopi Ram,
Niwasi Hanumangarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land at Shop No. 24, Green Mandi, Hanumangarh & more fully described in the sale deed registered by S R, Hanumangarh vide his No. 159 dated 2-2-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 30-9-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nand Lal S/o
Ranga Ram Arora,
Niwasi Hanumangarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Keshav Prashad S/o
Gopi Ram Agarwal,
Niwasi Hanumangarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th September, 1981

Ref No

- Whereas, I,

M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No Shop No. 24 situated at Hanumangarh.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hanumangarh on 29-1-1981

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

THE SCHEDULE

Part of land of shop No. 24, Green Mandi, Hanumangarh
& more fully described in the sale deed registered by S.R.,
Hanumangarh vide his registration No. 115 dated 29-1-1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

29—336GI/81

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 30-9-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 30th September, 1981

Ref. No.

—Whereas, I, M. L.

CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 153 situated at Kota

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering

Officer at Kota on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Brijkanti Devi W/o
Shri Basdev Sahai Bhargava
Niwasi C-240, Dayanand Marg,
Tilak Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Suraj Bai W/o
Shri Radha Raman Ji Rathi,
Niwasi Kumbh Raj Distt.
Guna (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern portion of house property No. 153 Villabh Bari, Kota & more fully described in the sale deed registered by S.R., Kota vide his registration No. 250 dated 2-2-1981.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 30-9-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 30th September 1981

Ref. No.

Whereas I,

M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 153 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vasdev Sahai Bhargava S/o
Shri Kishorilal Ji Bhargava,
Niwasi C-240, Dayanand Marg,
Tilak Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Kesar Bai W/o
Shri Bakat Lal Ji,
Niwasi Kamraj
Distt. Guna (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of house property situated Plot No. 153, Vallabh Bari, Kota & more fully described in the sale deed registered by S R, Kota vide his registration No. 252 dated 2-2-1981.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 30-9-1981.
Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 30th September, 1981

Ref. No.

—Whereas I,

M.L. CHAUHAN

being the Competent Authority under the Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No 153 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Kota on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sbri Satya Prakash Bhargava S/o
Shri Vasdev Sahai Bhargava,
Niwasi 247, Dayanand Marg,
Tilak Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Lata W/o
Shri Gopal Das Ji,
Niwasi Kum Raj ,
Distt. Guna (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated at Plot No. 153, Vallabh Bari, Kota & more fully described in the sale deed registered by S.R., Kota vide his registration No. 251 dated 2-2-1981.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 30-9-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 30th September, 1981

Ref. No.
M.L. CHAUHAN

—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-72 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Babu Ram Jain S/o
Mangal Ram Jain
Niwasi Old Station Road,
Alwar.

(Transferor)

- (2) Shri Kesari Chand S/o
Suraj Mal,
1340 Kishanpole Bajar,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern part of Plot No F-62, Subhash Marg, C-scheme, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 892 dated 25-4-1981.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 30-9-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 21st October, 1981

Ref. No IAC/Acq./1096—Whereas, I M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Plot No 274 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 6-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Bannu W/o
Shri Kalla Ram Chaudhary,
Plot No. 274,
Sector A, Masuria,
Jodhpur.

(Transferor)

- (2) Shri Swaroop Bhansali s/o
Kundan Raj Bhansali,
R/o sardarpura at present Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storied residential house at Plot No. 274 sector A, Masuria, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his registration No. 197 dated 6-2-1981.

M.L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 21-10-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Amritsar the 30th september, 1981

Ref. No. ASR/81-82/233—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Shop situated in Bazar Gendawala situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satnam Singh s/o
S. Sohan Singh r/o
Bazar Bagh Jhanda Singh
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Kuldip kaur w/o
Sh Jit Singh r/o
Katra Mit Singh,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein or are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop 2-1/2 storeyed situated in Br. Gandanwala Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3352/I dated 3-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range Amritsar

Date : 30-19-8

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 30th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/234—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Shops in Br. Ram Bagh Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Ranjit Mohan s/o
Shri Mathura Dass R/o,
Kucha Tiwarian House No 3669/11,
Amritsar, now
Section 23-D,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shrimati Shukla alias Mina d/o,
Sh. Hans Raj w/o
Kewal Krishan r/o,
Kucha Tawarian,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any
Shri Surjit Singh 125/- p.m.
Shri Jaswant 70/- p.m.
(person in occupation of the property)

- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

To shops No. 28/1, 28/4, situated in bazar Ram Bagh scheme, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3463/1 dated 19-2-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rang Amritsar.

Date 0-9-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/235 —Whereas, I ANAND SINGH
IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

No One plot in Keneddy Avenue situated at Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

at SR Amritsar on Feb. 1981

(1) Chairman Amritsar, Improvement Trust Amritsar.
(Transferor)

(2) Sh. Dial Singh s/o
Harnam Singh
through mukhtar aam,
Sh. Harnam Singh s/o,
Sh. Jodh Singh r/o
24-Keneddy Avenue,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 over at and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1030.35 sq. mtrs situated in Keneddy Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3427/I dated 12-2-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Amritsar.

Date : 30-9-81.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 3rd Oct. 1981

Ref. No. ASR/81-82/236—Whereas, I ANAND SINGH
IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No One property in Qila Bhangian, situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR Amritsar on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shmt. Beant Kaur w/o
Kulwant Singh,
Shri Kulwant Singh s/o,
Gurbachan Singh r/o,
31-Cross Road,
Bombay.

(Transferor)

- (2) Shmt. Promila w/o,
Sh. Behari Lal r/o,
Gali Thakurdawara,
Qila Bhangian
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1669/VIII-16, situated in Nawan Wehra, Kubi Beri, Qila Bhangian, Amritsar as mentioned in the sale deed No 3442/dated 16-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Amritsar.

Date : 3-10-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE AMRITSAR**

Amritsar the 3rd October 1981

Ref. N9. ASR/81-82/237—Whereas, I ANAND SINGH
IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Qila Bhangian situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Narinder Kaur alias Janki w/o
Sh Bhagat Singh, r/o
Delhi.
Sh. Kulwant Singh s/o,
Gurbachan Singh r/o,
31-Cross Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) Sh Mila Wati w/o,
Bhagwan Dass and
Shmt Raj Kumari w/o,
Sh. Sat Pal r/o
Kucha Thakurdawara Qila Bhangian,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property).—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.*

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1669/VIII-15, situated in Nawan Wehra, Kubi Beri Qila Bhangian, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3443 dated 16-2-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date : 3-10-1981.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Parmananda Rout S/o Late Brundaban Rout
(Transferor)(2) Transport Corporation of India Ltd, Branch Office,
Jhala Sahu, Cuttack
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHUBNESWAR

Bhubneswar, the 13th August, 1981

Ref. No 1/81-82/IAC(A/R)/BBS—Whereas, I P. K.
MISHRAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo 1039 situated at Mouza Torala, Dt Cuttack
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
at Cuttack on 17-2-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
-
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Mouza Torala, Thana Tangi, land area Ac. 1.86 Decs. Dt
Cuttack.P. K. MISHRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 13-8-81

Seal :